मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 9 अंक 132
मंगलवार, 24 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सिख गुरुओं के आदर्शों और प्रेरणा से ही बनेगा विकसित भारत : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। सोमवार को, सिख धर्म के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व की पूर्व संध्या पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली राज निवास में आयोजित शब्द कीर्तन में भाग लिया। सिर ढके हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु ग्रंथ साहिब के सामने नमन किया और दिल्ली के उपराज्यपाल के आधिकारिक आवास पर हो रहे धार्मिक पाठ को सुना। इस कार्यक्रम में शामिल होने वालों में संधू, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल थे। सिखों के पहले गुरु, गुरु नानक देव की जयंती मंगलवार को मनाई जाएगी।

लोक निवास में 'शब्द कीर्तन' के दौरान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गुरबानी का हर शब्द और कीर्तन की हर धुन, केवल संगीत नहीं है। यह एक 'साधना' है; यह ज्ञान के सागर में डुबकी लगाने जैसा है। यही कारण है कि जब भी मुझे ऐसे आयोजन का निमंत्रण मिलता है या कोई अवसर मिलता है, तो मैं हमेशा संगत और कीर्तन में शामिल होता हूँ। मोदी ने कहा कि गुरु नानक देव जी कहते थे- किरत करो वंड छको नाम जपो. ये मेरे जीवन का स्वाभाविक हिस्सा रहा है।

मोदी ने कहा कि इस वर्ष का प्रकाश पर्व एक और पवित्र स्मृति लेकर आया है। यह वर्ष श्री गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान का 350वां वर्ष है। इस देश की पहचान, निष्ठा, आस्था और मूल्यों की रक्षा के लिए गुरु साहिब ने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। तब से 350 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन भारत की मिट्टी आज भी



उस बलिदान की प्रेरणा से भरी हुई है। उन्होंने कहा कि भारत ने सैकड़ों वर्षों तक उपनिवेशवाद का दंश झेला है। इतिहास के उस दौर में, जो भारत के लिए सबसे कठिन था, हमारे गुरुओं ने देश की रक्षा की लौ को जलाए रखा। मोदी ने कहा कि आज, जब हमारे सामने राष्ट्र के प्रति बड़े संकल्प हैं और 'विकसित भारत' का लक्ष्य है, तो यह यात्रा हमारे गुरुओं की प्रेरणा और उनके आदर्शों की शक्ति से पूरी की जा सकती है। इसलिए, सिख परंपराओं और विरासत को एक प्रकाश-पुंज के रूप में संजोए रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जब मैं फिलीपींस में था, तो मैंने वहां के सबसे पुराने गुरुद्वारे - खालसा दीवान - के दर्शन किए। भारत सरकार खालसा दीवान गुरुद्वारे के पुनर्विकास में सहयोग कर रही है। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि गुरुओं का प्रकाश हर व्यक्ति तक पहुंचे और उनके प्रयासों से भारत नई ऊंचाइयों को छुए।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम अपनी अरदास में कहते हैं, 'नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भला'... दुनिया में कई जगहों पर संघर्ष चल रहे हैं, कई बेगुनाह लोग और परिवार हिंसा का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में, दुनिया के हर कोने में शांति हो और हर परिवार सुरक्षित रहे - इसके लिए 'सरबत दा भला' की भावना और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

केरला हाईकोर्ट ने रद्द किया 16 छात्रों का निलंबन, सीपीएम ने उच्च शिक्षा मंत्री पर साधा निशाना

केरलम, 23 नवम्बर। केरलम के कालडी में स्थित श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय के 16 छात्रों का निलंबन उच्च न्यायालय द्वारा रद्द किए जाने के बाद माकपा ने सोमवार को उच्च शिक्षा मंत्री रोजी एम. जॉन और कुलपति पर तीखा हमला बोला। दूसरी ओर, जॉन ने कहा कि सरकार अदालत के आदेश का पालन करेगी। परिसर में सुविधाओं की कमी को लेकर एसएफआई के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कुलपति सीजा थॉमस के साथ कथित तौर पर मारपीट की थी, जिसके बाद विश्वविद्यालय ने छात्रों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की।इस कार्रवाई को चुनौती देने वाली छात्रों की याचिकाएं उच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लीं। नेता प्रतिपक्ष पिनराई विजयन ने छात्रों को उनकी जीत पर बधाई दी। उन्होंने एक बयान में कहा, संघर्ष और बलिदान के जरिए अपने अधिकार और न्याय पाने वाले छात्रों को हार्दिक बधाई। विजयन ने आरोप लगाया कि छात्रों को संघ परिवार और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) सरकार के संयुक्त हमले का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन ने दोनों के एजेंडे का विरोध कर उन्हें विफल करके आगे बढ़ने का रास्ता बनाया। विजयन ने कहा कि निलंबन रद्द करने और छात्रों को परीक्षा में बैठने की अनुमति देने का उच्च न्यायालय का फैसला सच्चाई और छात्र एकता की जीत है। मंत्री जॉन ने कहा कि छात्रों को पढ़ाई करने का अवसर मिलना चाहिए और ऐसी स्थिति नहीं होनी चाहिए, जिससे उनका भविष्य बर्बाद हो जाए। उन्होंने पत्रकारों से कहा, हम उच्च न्यायालय के फैसले के अनुसार आगे बढ़ेंगे। जॉन ने कहा कि विश्वविद्यालयों में अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए अपने तंत्र होते हैं और छात्रों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करने का अधिकार सरकार के पास नहीं था। उन्होंने कहा, सरकार ने अदालत का रुख नहीं किया था। विश्वविद्यालय ने अपने तंत्र के जरिए छात्रों के खिलाफ कार्रवाई की और उसी के अनुसार आगे के कदम उठाए। ऐसे मामलों पर फैसला विश्वविद्यालयों को ही करना होता है। इस बीच, माकपा के राज्य सचिव एम. वी. गोविंदन ने मंत्री और सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र में स्थित है।

उन्होंने कहा, मंत्री प्रभावी ढंग से हस्तक्षेप करने में विफल रहे और सरकार भी प्रभावी कदम नहीं उठा सकी। कम से कम अब उन्हें खुले तौर पर स्वीकार करना चाहिए कि उनका रुख सही नहीं था।

बंगाल सरकार जनवरी में शुरू करेगा भरोसा' बेरोजगारी भत्ता योजना, फरवरी से मिलेगी पहली किस्त

कोलकता, 23 नवम्बर। पश्चिम बंगाल में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार जनवरी 2027 से अपनी नयी बेरोजगारी भत्ता योजना भरोसा' शुरू करेगी, जिसके तहत लाभार्थियों को फरवरी के दूसरे सप्ताह से वित्तीय सहायता की पहली किस्त मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को यह घोषणा की।

कैबिनेट बैठक के बाद राज्य सचिवालय ह्यनबन्ना' में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा कि सरकार शुरूआत में बेरोजगार स्नातकों और सरकारी व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त युवाओं को 2,000 रुपये प्रति माह देगी, जबकि अन्य पात्र बेरोजगार युवाओं को अगले 15 महीनों तक 1,500 रुपये प्रति माह मिलेंगे। यह राशि भाजपा के



चुनावी घोषणापत्र में किए गए वादों से कम है, जिसमें बेरोजगार स्नातकों को 3,000 रुपये प्रति माह और गैर-स्नातकों को 2,000 रुपये प्रति माह देने का वादा किया गया था।

वादे के मुताबिक राशि को तुरंत लागू करने में असमर्थता के लिए माफी मांगते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए सरकार को 15 महीने का समय चाहिए। अधिकारी ने कहा, 'हमें खेद है। हम आपसे 15 महीने का समय मांग रहे हैं। हम इस समय 3,000 और 2,000 रुपये नहीं दे सकते। 15 महीनों के लिए आप 2,000 और 1,500 रुपये स्वीकार करें।' इस योजना के दायरे में 21 से 45 वर्ष की आयु वर्ग के बेरोजगार लोग आएंगे। सहायता राशि हर महीने के दूसरे सप्ताह में लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा कर दी जाएगी।

एक परिवार के अधिकतम दो सदस्य इस भत्ते के लिए पात्र होंगे, जबकि अन्नपूर्णा योजना' के तहत लाभ प्राप्त करने वाले लोग बेरोजगारी सहायता के हकदार नहीं होंगे।

रक्षा बलों और CAPF के व्हाट्सएप ग्रुप में मिले पाकिस्तानी एजेंट, सुरक्षा एजेंसियों ने दिए ऑडिट के आदेश

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। भारतीय सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों ने बड़ी साइबर सुरक्षा का खुलासा किया है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सोमवार को अधिकारियों से हवाले से बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों ने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और रक्षा नागरिक अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले लगभग 13-14 निजी व्हाट्सएप ग्रुपों में घुसपैठ कर ली है।

इस खुलासे के बाद एजेंसियों ने सोशल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म्स का व्यापक ऑडिट करने का आदेश दिया है।

अधिकारियों के मुताबिक, ये संदिग्ध एजेंट भारतीय मोबाइल नंबरों का सहारा लेकर इन ग्रुपों में



शामिल हुए थे। वे ग्रुपों में साइलेंट मेंबर यानी बिना कुछ बोले सक्रिय रूप से जुड़े रहने वाले सदस्य बने रहे और वहां होने वाली चचाओं तथा साझा किए जाने वाले दस्तावेजों पर लगातार नजर रखते थे।

इसे संवेदनशील सुरक्षा कार्यों में तैनात कर्मियों को निशाना बनाकर चलाया जा रहा एक लक्षित साइबर जासूसी अभियान माना जा रहा है।

घुसपैठ का मामला सामने आने के बाद सुरक्षा बलों और रक्षा-नागरिक संगठनों को अपने सोशल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म्स, जिनमें चिन्हित व्हाट्सएप ग्रुप भी शामिल हैं, का गहन ऑडिट करने और संदिग्ध व अनजान सदस्यों को तुरंत हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

साथ ही यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि ऐसे अनधिकृत या सार्वजनिक मंचों पर कोई भी आधिकारिक या गोपनीय जानकारी साझा न की जाए।

पीटीआई के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि साइबर सुरक्षा से जुड़े मौजूदा दिशानिर्देशों को सख्ती से लागू करने पर जोर दिया गया है और इस घटना के मद्देनजर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर किसी भी तरह की गोपनीय सूचना या डेटा साझा न करने की हिदायत दी गई है।

यह ताजा अलर्ट उस घटना के बाद सामने आया है, जब अधिकारियों ने रक्षा-नागरिक अधिकारियों के एक व्हाट्सएप ग्रुप में एक संदिग्ध पाकिस्तानी खुफिया एजेंट को पकड़ा, जो खुद को सोनिया नाम की डीआरडीओ वैज्ञानिक बताकर ग्रुप में जुड़ा था। अधिकारियों को आशंका है कि इस ग्रुप में पैसों के बदले कुछ संवेदनशील जानकारी साझा की गई है।

दिल्ली में एसआईआर पर सियासी घमासान, कांग्रेस का आरोप- 75 जीवित मतदाताओं को बताया मृत

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान जीवित मतदाताओं को मृत घोषित कर उनके नाम मतदाता सूची से हटाने का आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और चुनाव आयोग की आलोचना की है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने यहां राजीव भवन में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दिल्ली में लोकतंत्र और नागरिकों के मताधिकार को कमजोर करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र के नेहरू विहार वार्ड में भाजपा के बूथ लेवल एजेंट ने फॉर्म-7 के जरिए 75 जीवित मतदाताओं को मृत घोषित कर उनके नाम कटवाने की कोशिश की।

कांग्रेस के बीएलए द्वारा जांच में 65 ऐसे मतदाताओं की पहचान की गयी, जिनके नाम मृत घोषित कर सूची



से हटाए गए थे। इस दौरान 16 प्रभावित मतदाताओं को पहचान पत्रों के साथ मीडिया के सामने पेश किया गया।

यादव ने कहा कि फॉर्म-7 का दुरुपयोग रोकने और प्रत्येक मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी चुनाव आयोग की है। उन्होंने प्रभावित मतदाताओं को सुनवाई का अवसर देने और दोषी अधिकारियों तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि कांग्रेस मताधिकार की रक्षा के लिए अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

चीन भारतीय व्यापारियों को देगा वीजा सुविधा, बोला-भारत के साथ काम करने को तैयार

चीन, 23 नवम्बर। भारतीय कारोबारियों को चीनी वीजा मिलने में कथित कटौती की खबरों के बीच बीजिंग ने सहयोग का भरोसा दिया है। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि वह दोनों देशों के कारोबारियों के लिए वीजा व्यवस्था आसान बनाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। चीन ने कहा है कि वह कारोबारियों के लिए वीजा व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। चीनी विदेश मंत्रालय का यह जवाब उन खबरों के बीच आया है, जिनमें कहा जा रहा कि इसके राजनयिक मिशन ने भारतीय नागरिकों को वीजा जारी करने में कटौती की है, जिनमें कारोबारी भी शामिल हैं। भारतीयों के लिए वीजा जारी करने में कथित कटौती के बारे में 'पीटीआई-भाषा'



द्वारा पूछे गए सवालों के लिखित जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, "चीन कानूनों और नियमों के अनुसार मानकों को पूरा करने वाले विदेशी नागरिकों को वीजा जारी करता है।'प्रवक्ता ने कहा, "हम दोनों पक्षों के कारोबारियों के लिए वीजा व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार हैं।" खबरों के मुताबिक, इस महीने शंघाई में आयोजित 'चाइना इम्पोर्ट एक्सपो' में भाग लेने के लिए कम भारतीय व्यापारियों को वीजा दिया गया। यह वार्षिक व्यापार मेला दुनिया भर के व्यापारियों को आकर्षित करता है ताकि वे चीनी उपभोक्ताओं को अपने कारोबार से अवगत करा सकें। बीजिंग ने सेवा प्रदाता चाइना वीजा एप्लीकेशन सेंटर को वीजा आवेदन स्वीकार करने से रोक दिया है, और चीनी वीजा, विशेष रूप से बिजनेस वीजा की बढ़ती मांग के मद्देनजर, उसके मिशन इसका सीधे तौर पर प्रबंधन कर रहे हैं।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

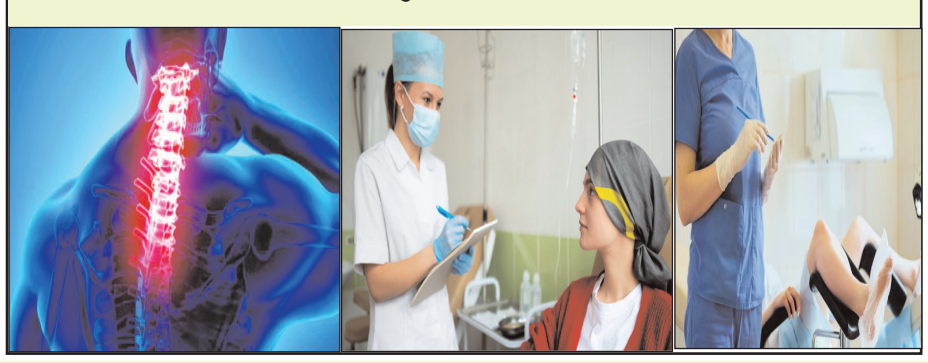

TIWARI'S SARASWATI CLASSES
— Since 1992 —
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
34+ Years of Academic Excellence
Experienced & Dedicated Faculty
Personal Attention
Printed Notes & Regular Tests
Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
Std. XI & XII (Sci.)
NEET
JEE (Main & Advance)
MHT-CET
Polytechnic & Engg
Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

भारत-नेपाल नई रणनीतिक साझेदारी की दस्तक



-ललित गर्ग

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह का 22-23 नवंबर 2026 का भारत दौरा केवल एक प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा नहीं, बल्कि भारत-नेपाल संबंधों में एक संभावित नई शुरूआत का संकेत है। मार्च में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद किसी देश की उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भारत की है। सितंबर में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए अमेरिका गए थे, लेकिन वह यात्रा द्विपक्षीय राजकीय यात्रा नहीं थी। इस दृष्टि से नई दिल्ली का उनका पहला पड़ाव विशेष महत्व रखता है। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि बालेन शाह के सत्ता में आने के बाद नेपाल की विदेश नीति में कुछ नए तेवर दिखाई दिए थे। भारत के प्रति उनके कुछ बयानों ने असहजता पैदा की, जबकि चीन के साथ नेपाल के आर्थिक और रणनीतिक संपर्क लगातार बढ़ते रहे। लेकिन विदेश नीति में स्थायी मित्रता और अस्थायी मतभेद दोनों साथ चलते हैं। देर आए, दुरुस्त आए- बालेन शाह का नई दिल्ली आना इसी भाव को पुष्ट करता है।

भारत ने भी इस रिश्ते में दरवाजा कभी बंद नहीं किया। अगस्त की विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत ने नेपाल को आपात सहायता, राहत सामग्री और तकनीकी सहयोग दिया। भारत की यह भूमिका केवल मानवीय सहायता नहीं थी, बल्कि यह संदेश भी था कि मुश्किल समय में पड़ोसी ही सबसे पहले काम आता है। भारत और नेपाल का रिश्ता किसी सामान्य राजनयिक समझौते का रिश्ता नहीं है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा, धार्मिक-सांस्कृतिक निकटता, विवाह संबंध, तीर्थ परंपरा, भाषा और सामाजिक संपर्क सदियों पुराने हैं। जनकपुर और अयोध्या, पशुपतिनाथ और काशी, बुद्ध की जन्मभूमि लुंबिनी और भारत की बौद्ध परंपरा, ये केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना के पड़ाव हैं। लेकिन आज की दुनिया में केवल रोटी-बेटी का रिश्ता पर्याप्त नहीं है। भावनाओं की अपनी जगह है, पर आर्थिक हित, तकनीक, ऊर्जा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी भी रिश्तों की नई भाषा बन चुके हैं। इसलिए भारत-नेपाल संबंधों को भावनात्मक विरासत से आगे ले जाकर आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी में बदलना समय की मांग है।

नेपाल को विकास के लिए पूंजी, तकनीक, रोजगार, ऊर्जा बाजार और बेहतर संपर्क चाहिए। भारत के पास इन क्षेत्रों में क्षमता है। दूसरी ओर भारत को एक स्थिर, समृद्ध और मित्रवत नेपाल चाहिए। इसीलिए दोनों देशों के हितों में मूलभूत टकराव से अधिक पूरकता है। बालेन शाह का भारत आना अपने आप में कूटनीतिक संदेश है। उनके पूर्ववर्ती केपी शर्मा ओली ने पहली आधिकारिक विदेश यात्रा चीन की करके पुरानी अघोषित परंपरा से अलग रास्ता चुना था। बालेन का भारत से शुरूआत करना यह साबित नहीं करता कि नेपाल चीन से दूरी बना रहा है, लेकिन यह जरूर बताता है कि नई दिल्ली को काठमांडू की विदेश नीति में उसका स्वाभाविक और महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। आज नेपाल भारत और चीन के बीच संतुलन साधना चाहता है। यह उसकी भौगोलिक और आर्थिक वास्तविकता भी है। भारत इसे समझता है और उसे किसी खेमे में धकेलने के बजाय ऐसी साझेदारी विकसित कर सकता है जिसमें नेपाल को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के साथ विकास के अधिक विकल्प मिलें। यही भारत की वास्तविक कूटनीतिक परीक्षा भी है-नेपाल को यह महसूस कराया जाए कि भारत उसके विकल्प सीमित नहीं करता, बल्कि उसके विकल्प बढ़ाता है। बालेन शाह की यात्रा में नेपाल ने करीब दो अरब डॉलर की अनुदान एवं रियायती ऋण सहायता की मांग रखी है। भारत ने आर्थिक प्रस्ताव पर सकारात्मक संकेत दिए हैं, हालांकि अंतिम पैकेज और उसकी संरचना पर बातचीत जारी है। हवाई मार्ग के प्रश्न पर भी अभी पूर्ण सहमति नहीं बनी है। यहीं भारत को एक नई सोच अपनानी चाहिए।

नेपाल को केवल सहायता देना पर्याप्त नहीं, नेपाल की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने वाली परियोजनाओं में भारत का भागीदार बनना अधिक उपयोगी होगा। जलविद्युत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नेपाल के पास विशाल जलविद्युत क्षमता है, जबकि भारत को स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती जरूरत है। दोनों देश दीर्घकालिक बिजली व्यापार, ट्रांसमिशन लाइन और नई जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से ऐसा मॉडल बना सकते हैं जिसमें नेपाल बिजली पैदा करे, भारत बाजार उपलब्ध कराए और दोनों देश समृद्ध हों। भारत-नेपाल के बीच 10,000 मेगावाट तक दीर्घकालिक बिजली व्यापार का लक्ष्य इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पंचेश्वर परियोजना, लोअर अरुण, सीमा-पार बिजली संपर्क और नए ऊर्जा गलियारों को पुराने मतभेदों की फाइलों में दबाकर नहीं रखा जा सकता। ह्लजब जागो तभी सवेराह्व-अब दोनों देशों को लंबित परियोजनाओं को परिणाम की जमीन पर उतारना होगा। भारत-नेपाल संबंधों का अगला बड़ा अध्याय कनेक्टिविटी होना चाहिए। रेल, सड़क, पाइपलाइन, डिजिटल नेटवर्क और हवाई संपर्क, ये आधुनिक युग की नई कूटनीतिक धमनियां हैं। अयोध्या-जनकपुर रेल संपर्क का आज ही शुरू होना सांस्कृतिक और पर्यटन दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। रक्सौल-काठमांडू रेल संपर्क भविष्य में व्यापार और यात्रियों की आवाजाही को नई दिशा दे सकता है। सीमा पर एकीकृत जांच चौकियां, ऊर्जा पाइपलाइन और व्यापारिक गलियारों का विस्तार दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ सकता है। नेपाल के भैरहवा और पोखरा जैसे हवाई अड्डों के लिए अतिरिक्त भारतीय हवाई मार्ग की मांग भी महत्वपूर्ण है। इस विषय पर सुरक्षा, तकनीकी और हवाई क्षेत्र से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक समाधान खोजने की जरूरत है। कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद दोनों देशों के संबंधों की संवेदनशील वास्तविकता हैं। इसके अलावा 1950 की भारत-नेपाल संधि की समीक्षा, गोरखा सैनिकों की भर्ती, व्यापार असंतुलन और पंचेश्वर जैसे विषय भी समय-समय पर तनाव पैदा करते रहे हैं। इन विवादों को न तो नजरअंदाज किया जा सकता है और न ही उन्हें हर बैठक का केंद्र बनाना उचित होगा। रास्ता है-संवाद, तथ्य, संवेदनशीलता और राजनीतिक परिपक्वता। भारत-नेपाल संबंधों की चर्चा चीन के बिना अधूरी है। नेपाल चीन के साथ भी सड़क, ऊर्जा, संपर्क और बेल्ट एंड रोड से जुड़ी परियोजनाओं में सहयोग कर रहा है। भारत को इसे केवल भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की दृष्टि से देखने के बजाय नेपाल की विकास आकांक्षाओं को समझना चाहिए। भारत की श्रेष्ठ रणनीति यह होगी कि वह नेपाल से कहे- तुम्हारे विकास का रास्ता तुम्हारा है, लेकिन उस रास्ते में भारत तुम्हारा विश्वसनीय पड़ोसी और साझेदार है। भारत को अपनी क्षमता से नेपाल को यह विश्वास दिलाना होगा कि लोकतंत्र, विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल अर्थव्यवस्था और ऊर्जा में भारत की साझेदारी दीर्घकालीन है। विश्वास बंदूक से नहीं, व्यवहार से बनता है। भारत की ह्यपड़ोसी पहले नीति को अब एक और व्यापक स्वरूप देने की आवश्यकता है। पड़ोसी देशों के साथ संबंध केवल सहायता देने या राजनीतिक संपर्क तक सीमित न रहें, बल्कि साझा आर्थिक विकास के प्लेटफॉर्म पर आधारित हों। एक विचार यह हो सकता है कि भारत नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका और मालदीव जैसे पड़ोसी देशों के साथ साझा विकास, आपदा प्रबंधन, ऊर्जा, डिजिटल संपर्क और व्यापार का एक नया बहुपक्षीय मंच विकसित करे। पाकिस्तान को छोड़कर शेष इच्छुक पड़ोसी देशों के लिए ऐसा सहयोगी ढांचा दक्षिण एशिया में भारत की सकारात्मक शक्ति को बढ़ा सकता है। यह कोई सैन्य गठबंधन नहीं, बल्कि विकास और मानव सुरक्षा का गठबंधन हो-जहां बिजली, पानी, सड़क, रेल, डिजिटल भुगतान, आपदा राहत, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन साझा समृद्धि के साधन बनें।

नेपाल के साथ इस मॉडल की शुरूआत सबसे स्वाभाविक हो सकती है। हिमालय से बंगाल की खाड़ी तक एक ऐसा आर्थिक गलियारा विकसित हो सकता है जिसमें नेपाल की जलविद्युत, भारत का बाजार और बांग्लादेश की ऊर्जा जरूरतें एक-दूसरे से जुड़ें। इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिल सकती है। बालेन शाह का दिल्ली दौरा केवल रिश्तों को रीसेट करने का अवसर नहीं होना चाहिए, इसे रिश्तों को री-इमैजिन करने का अवसर बनाना चाहिए। आज हिमालय की ऊंचाइयों से एक नई आवाज आ रही है- साझेदारी की, समृद्धि की और साझा सुरक्षा की। यदि बालेन शाह की नई पीढ़ी की आकांक्षाएं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पड़ोसी प्रथम नीति एक-दूसरे से जुड़ती हैं तो भारत-नेपाल संबंध दक्षिण एशिया में सहयोग का नया मॉडल बन सकते हैं। कहावत है-एक और एक ग्यारह होते हैं। भारत और नेपाल यदि अपनी शक्तियों को जोड़ दें तो दोनों अकेले जितना हासिल कर सकते हैं, उससे कहीं अधिक हासिल कर सकते हैं। दिल्ली से काठमांडू तक केवल मैत्री की हवा नहीं, बल्कि विकास की नई बयार बह सकती है। यही भारत-नेपाल संबंधों की नई रणनीतिक दृष्टि होनी चाहिए।

भारत-नेपाल की घटती दूरियाँ और बढ़ता व्यापार



अशोक भाटिया

इतिहास के पन्नों को पलटें तो भारत और नेपाल के संबंध केवल दो संप्रभु राष्ट्रों के बीच की औपचारिक कूटनीति तक सीमित नहीं रहे हैं। यह रिश्ता सदियों पुरानी साझा विरासत, आध्यात्मिक एकात्मता और 'रोटी-बेटी' के अटूट सामाजिक ताने-बाने से बुना गया है। हिमालय की गोद से निकलने वाली नदियाँ जिस तरह बिना किसी रोक-टोक के भारतीय मैदानों को सींचती हैं, उसी तरह दोनों देशों के नागरिकों के बीच का संवाद और स्नेह भी सदैव निर्बाध रहा है। 23 नवंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह द्वारा अयोध्या कैंट से जनकपुर धाम के बीच शुरू की गई नई साप्ताहिक एक्सप्रेस रेल सेवा, इस ऐतिहासिक मित्रता का आधुनिक विस्तार है।

यह उस ऐतिहासिक और सांस्कृतिक यात्रा का आधुनिक विस्तार है, जो दोनों देशों के बीच की भौगोलिक दूरियों को कम करते हुए आर्थिक और व्यापारिक समृद्धि के नए द्वार खोल रही है।

रामायण काल से ही अयोध्या और जनकपुर का संबंध आस्था और संस्कृति की धुरी रहा है। त्रेतायुग में जो संबंध विवाह और संस्कारों के माध्यम से स्थापित हुआ था, इक्कीसवीं सदी के इस दौर में वही संबंध आधुनिक रेल नेटवर्क के माध्यम से विकास और व्यापार की नई परिभाषा गढ़ रहा है। लगभग छह सौ चार किलोमीटर लंबी यह रेल यात्रा जब अयोध्या से चलकर गोरखपुर, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी और जयनगर होते हुए माता जानकी की नगरी जनकपुर धाम पहुंचेगी, तो यह केवल यात्रियों को ही एक स्थान से दूसरे स्थान तक नहीं ले जाएगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विचारों, संस्कृति और वाणिज्य के प्रवाह को भी अभूतपूर्व गति देगी। वर्ष 2022 में जयनगर और कुर्था के बीच शुरू हुई ब्रॉड-गेज रेल सेवा ने इस दिशा में जो नींव रखी थी, आज की यह नई सीधी ट्रेन सेवा उसे एक विराट स्वरूप प्रदान कर रही है।

किसी भी दो पड़ोसी देशों के बीच व्यापारिक संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि उनके बीच परिवहन और संपर्क के साधन कितने सुगम और किफायती हैं। नेपाल एक चारों ओर से जमीन से घिरा हुआ यानी लैंडलॉक्ड देश है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक निर्भरता मुख्य रूप से भारतीय बंदरगाहों और सड़क मार्गों पर टिकी है। अब तक सड़क मार्ग से होने वाले परिवहन में समय और धन दोनों की अधिक खपत होती थी, जिसका सीधा असर नेपाल के बाजारों में वस्तुओं की कीमतों और उसके निर्यात की प्रतिस्पर्धात्मकता पर पड़ता था। सीमा-पार रेल संपर्क का विस्तार इस समस्या का सबसे प्रभावी समाधान बनकर उभरा है। जयनगर-बर्दीबास रेल लाइन के निरंतर विस्तार और जोगबनी-विराटनगर रेल परियोजना की प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आने वाले समय में भारत और नेपाल के बीच माल ढुलाई की लागत में भारी कमी आएगी। जब मालगाड़ियाँ सीधे भारतीय औद्योगिक केंद्रों और बंदरगाहों से नेपाल के प्रमुख व्यापारिक शहरों तक पहुंचेंगी, तो

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

इससे न केवल नेपाल के उपभोक्ताओं को सस्ती दरों पर आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध होंगी, बल्कि नेपाल के कृषि और लघु उद्योग उत्पादों को भी भारत के विशाल बाजार तक सीधी और सुगम पहुंच मिल सकेगी।

व्यापार के साथ-साथ पर्यटन एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें भारत और नेपाल के बीच अपार संभावनाएं छिपी हुई हैं। अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण और काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास के बाद भारत में धार्मिक पर्यटन ने एक नई ऊंचाई को छुआ है। दूसरी ओर, नेपाल में जनकपुर धाम, पशुपतिनाथ और भगवान बुद्ध की जन्मस्थली लुम्बिनी विश्व भर के श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण के केंद्र हैं। अयोध्या और जनकपुर के बीच सीधी रेल सेवा की शुरूआत 'रामायण सर्किट' की परिकल्पना को धरातल पर उतारने की दिशा में एक मील का पत्थर है। अब भारत के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालु बिना किसी सीमावर्ती झंझट या महंगे हवाई सफर के सीधे जनकपुर धाम तक की यात्रा कर सकेंगे। इसी तरह, नेपाल के नागरिकों के लिए भी अयोध्या, वाराणसी और प्रयागराज जैसे तीर्थ स्थलों तक पहुंचना अत्यंत सहज हो गया है। पर्यटन की इस बढ़ती रफ्तार का सीधा लाभ सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय निवासियों, होटल व्यवसायियों, हस्तशिल्प कारीगरों और छोटे व्यापारियों को मिलेगा, जिससे दोनों देशों के सीमावर्ती जिलों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

आर्थिक और सांस्कृतिक पहलुओं के अतिरिक्त, भारत और नेपाल के बीच बढ़ती यह कनेक्टिविटी क्षेत्रीय भू-राजनीति के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। दक्षिण एशिया के बदलते कूटनीतिक परिदृश्य में, जहाँ बाहरी शक्तियाँ इस क्षेत्र में अपने प्रभाव का विस्तार करने के लिए प्रयासरत हैं, भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' यानी पड़ोसी प्रथम की नीति की सफलता जमीनी परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन पर ही निर्भर करती है। नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व के उदय और बदलती राजनीतिक आकांक्षाओं के बीच, भारत द्वारा बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और रेल संपर्क के क्षेत्र में किया जा रहा निवेश दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास को नई मजबूती प्रदान करता है। यह इस बात का प्रमाण है कि भारत नेपाल की संप्रभुता का सम्मान करते हुए उसकी आर्थिक आत्मनिर्भरता और विकास यात्रा में एक विश्वसनीय साझेदार की भूमिका निभा रहा है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। नेपाल में उत्पन्न होने वाली जलविद्युत का भारत को निर्यात और भारतीय ग्रिड के माध्यम से तीसरे देश तक बिजली पहुंचाने के समझौतों ने द्विपक्षीय व्यापार को एक नया आयाम दिया है। हालांकि, उपलब्धियों के इस उत्साहजनक वातावरण के बीच हमें उन व्यावहारिक चुनौतियों को भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, जो अभी भी द्विपक्षीय व्यापार और संपर्क की पूर्ण क्षमता के दोहन में बाधक बनी हुई हैं। सीमा पर एकीकृत जांच चौकियों के निर्माण के बावजूद, कई बार सीमा शुल्क यानी कस्टम प्रक्रियाओं की जटिलता, दस्तावेजी औपचारिकताओं में लगने वाला समय और बुनियादी ढांचे के रखरखाव से जुड़ी समस्याएं व्यापारियों के लिए अड़चन पैदा करती हैं। इसके अतिरिक्त, प्रस्तावित रक्सौल-काठमांडू रेल लाइन जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को दुर्गम पहाड़ी भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करना दोनों सरकारों के लिए एक बड़ी परीक्षा होगी। खुली सीमा के दुरुपयोग को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और आधुनिक तकनीक का उपयोग भी उतना ही आवश्यक है, ताकि व्यापार और आवागमन की सुगमता के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

भारत और नेपाल के संबंधों की वास्तविक शक्ति उनके नागरिकों के बीच के अटूट विश्वास और साझा भविष्य के सपने में निहित है। अयोध्या से जनकपुर तक दौड़ने वाली यह नई रेलगाड़ी केवल लोहे की पटरियों पर चलने वाला एक वाहन नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं, साझा इतिहास और उज्ज्वल आर्थिक भविष्य का वाहक है। जब दूरियाँ घटती हैं, तो केवल भौगोलिक फासले ही कम नहीं होते, बल्कि मन के संदेह भी मिटते हैं और सहयोग के नए रास्ते खुलते हैं। यदि दोनों देश इसी सकारात्मक ऊर्जा, राजनीतिक इच्छाशक्ति और पारस्परिक सम्मान के साथ अपनी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को आगे बढ़ाते रहें, तो भारत और नेपाल की यह साझेदारी न केवल दोनों देशों के नागरिकों के जीवन स्तर में क्रांतिकारी बदलाव लाएगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग और साझा समृद्धि का एक अनुकरणीय मॉडल भी प्रस्तुत करेगी।

यूपी में नया साल चुनावी बिगुल के साथ देगा दस्तक



-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता लगने की आहट के साथ ही पूरे प्रदेश में राजनीतिक और प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। नेता टिकट के लिए दौड़ लगा रहे हैं, तो योगी सरकार अपने मनपसंद अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग में लगी है। आचार संहिता लगने से पूर्व सरकार विकास की किसी योजना को भी मंजूरी देने और नई योजनाओं का उद्घाटन करने में लगी है। प्रदेश में आचार संहिता लगने के लिए दो महीने से भी कम का समय बाकी रह गया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि नया साल और आचार संहिता एक साथ 'दस्तक' देंगे। लोकतंत्र के इस सबसे बड़े उत्सव को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए भारतीय निर्वाचन आयोग की ओर से प्रत्येक चुनाव से पूर्व आदर्श आचार संहिता लागू की जाती है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश की 18वीं विधानसभा का पांच साल का कार्यकाल 19 मार्च 2027 को समाप्त होने जा रहा है। संवैधानिक नियमों के तहत निर्वाचन आयोग किसी भी विधानसभा का कार्यकाल समाप्त होने से छह महीने पहले तक की अवधि में कभी भी चुनाव करा सकता है। निर्वाचन आयोग की ओर से अभी तक 2027 के चुनावों की आधिकारिक तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है, लेकिन पिछले चुनावी चक्रों और उपलब्ध जानकारियों के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मतदान फरवरी या मार्च 2027 में हो सकता है। इसके लिए नए साल के दूसरे हफ्ते तक आचार संहिता लागू हो सकती है। साल 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग ने 8 जनवरी 2022 को कार्यक्रम की घोषणा की थी और उसी दिन से प्रदेश में आचार संहिता लागू हो गई थी। इसी पैटर्न को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि 2027 के चुनावों के लिए भी जनवरी 2027 के पहले या दूसरे सप्ताह में चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ ही पूरे प्रदेश में आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो सकती है। जब तक आयोग की आधिकारिक घोषणा नहीं हो जाती, तब तक इन तारीखों को संभावित ही माना जाता है।

आदर्श आचार संहिता के लागू होते ही प्रदेश की पूरी शासन व्यवस्था और सरकारी कामकाज के तौर-तरीकों में बड़ा बदलाव आ जाता है। चूंकि आचार संहिता का मुख्य उद्देश्य सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान करना है, इसलिए सत्ताधारी दल के हाथों से प्रशासनिक मशीनरी के इस्तेमाल का अधिकार सीमित हो जाता है। चुनाव की तारीखों की घोषणा के तुरंत बाद राज्य का पूरा प्रशासनिक तंत्र, विशेष रूप से चुनाव प्रक्रिया से जुड़े अधिकारी और पुलिस बल, सीधे तौर पर निर्वाचन आयोग के नियंत्रण और निगरानी में आ जाते हैं। इसके बाद सरकार कोई भी नया नीतिगत फैसला नहीं ले सकती और न ही किसी नई कल्याणकारी योजना, परियोजना या वित्तीय अनुदान की घोषणा कर सकती है। मुख्यमंत्री, मंत्री या किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए नए कार्यों का शिलान्यास, लोकार्पण या भूमि पूजन करने पर पूरी तरह से रोक लग जाती है। सरकारी खजाने से सरकार की उपलब्धियों का बखान करने वाले विज्ञापनों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया जाता है। यहां तक कि सरकारी वेबसाइटों, दफ्तरों और सार्वजनिक स्थानों से मंत्रियों और नेताओं की तस्वीरें, पोस्टर और बैनर तय समय सीमा के भीतर हटा दिए जाते हैं। सरकारी संपत्तियों से प्रचार सामग्री हटाने के लिए 24 घंटे, सार्वजनिक स्थानों के लिए 48 घंटे और निजी संपत्तियों के लिए 72 घंटे की समय सीमा निर्धारित होती है। सरकारी कामकाज पर इसका एक और बड़ा असर तबादलों और नियुक्तियों के रूप में दिखता है। चुनाव प्रक्रिया से जुड़े किसी भी अधिकारी या कर्मचारी का तबादला या नई तैनाती बिना चुनाव आयोग की पूर्व अनुमति के नहीं की जा सकती। मंत्रियों के सरकारी वाहनों और गेस्ट हाउस के इस्तेमाल पर भी सख्त पाबंदी लग जाती है। कोई भी मंत्री अपने सरकारी दौरे को चुनाव प्रचार के साथ नहीं जोड़ सकता और न ही सरकारी कर्मचारियों या संसाधनों का उपयोग चुनावी सभाओं के लिए कर सकता है। हालांकि, इसका यह अर्थ बिल्कुल नहीं है कि प्रदेश में विकास कार्य या रोजमर्रा के सरकारी काम पूरी तरह ठप हो जाते हैं। जो परियोजनाएं आचार संहिता लगने से पहले ही धरातल पर शुरू हो चुकी हैं, उनका निर्माण कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। इसी तरह, पहले से चल रही पेंशन, राशन वितरण, स्वास्थ्य सेवाएं, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और प्राकृतिक आपदा या आपातकालीन स्थिति में राहत पहुंचाने जैसे नियमित प्रशासनिक कार्यों पर कोई रोक नहीं होती। सरकार केवल रूटीन के कामकाज ही निपटा सकती है, लेकिन किसी नए वर्ग को लुभाने वाला कोई फैसला नहीं ले सकती।

चुनावी बिगुल बजने और आचार संहिता लागू होने की इस समय सीमा को भांपते हुए हर सरकार उससे ठीक पहले के महीनों और हफ्तों में बेहद सक्रिय हो जाती है। आचार संहिता लगने से पहले सरकार की कोशिश होती है कि वह अपने सभी प्रमुख चुनावी वादों को पूरा कर दे और जनता को सीधे लाभ पहुंचाने वाले बड़े फैसले ले ले, ताकि चुनाव में इसका राजनीतिक लाभ मिल सके। इस कड़ी में सबसे पहला और अहम कदम बड़ी विकास परियोजनाओं के ताबड़तोड़ शिलान्यास और लोकार्पण का होता है। एक्सप्रेसवे, मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, हवाई अड्डे और बड़े पुलों जैसी परियोजनाओं का उद्घाटन आनन-फानन में किया जाता है, ताकि काम शुरू होने या पूरा होने का श्रेय लिया जा सके। इसके साथ ही, राज्य कैबिनेट की लगातार बैठकें बुलाकर विभिन्न वर्गों को खुश करने वाली नई योजनाओं को मंजूरी दी जाती है। इनमें किसानों के लिए ऋण माफी या सम्मान निधि में बढ़ोतरी, युवाओं को मुफ्त टैबलेट, स्मार्टफोन या लैपटॉप वितरण, बेरोजगारी भत्ता और महिलाओं के लिए आर्थिक सहायता जैसी लोकलुभावन घोषणाएं शामिल होती हैं। यह कार्य योगी सरकार भी कर रही है और पूर्ववर्ती सरकारें भी करती रही हैं।

प्रशासनिक स्तर पर आचार संहिता लगने से ठीक पहले बड़े पैमाने पर आईएएस, आईपीएस, पीसीएस और पीपीएस अधिकारियों के तबादले किए जाते हैं। सरकार अपनी सुविधा और प्रशासनिक चुस्ती के हिसाब से जिलों में जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों की तैनाती करती है, क्योंकि एक बार आचार संहिता लागू होने के बाद तबादलों की चाबी चुनाव आयोग के पास चली जाती है। इसके अलावा, सरकारी कर्मचारियों और शिक्षकों के बड़े वोट बैंक को साधने के लिए महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी, बोनस की घोषणा, पदोन्नति और नई भर्तियों के विज्ञापन जारी करने जैसे फैसले भी इसी दौर में लिए जाते हैं। कई बार सरकार विभिन्न आयोगों, बोर्डों और निगमों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियां भी आचार संहिता लगने से ऐन पहले कर देती है, ताकि सहयोगी दलों और पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को समायोजित किया जा सके। इसी तरह, किसी क्षेत्र विशेष की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करते हुए नई तहसील, ब्लॉक या नगर पंचायत के गठन और किसी स्थान या संस्थान के नाम परिवर्तन जैसे फैसले भी कैबिनेट से पास कराए जाते हैं। कुल मिलाकर, आचार संहिता लागू होने से पहले का समय सरकार के लिए अपने तरकश के सभी तीर चलाने का होता है, जबकि आचार संहिता लागू होने के बाद पूरा तंत्र निष्पक्ष चुनाव कराने की संवैधानिक जिम्मेदारी में जुट जाता है।

सत्ता-संगठन की दूरी पाटने यूपी के हर जिले में उतरेंगे बीजेपी के दिग्गज



-संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश में अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अपनी चुनावी बिसात बिछानी शुरू कर दी है। 2024 के लोकसभा चुनावों में उत्तर प्रदेश के भीतर पार्टी को जो झटका लगा था, उससे सबक लेते हुए भाजपा नेतृत्व अब किसी भी तरह की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। इसी कड़ी में पार्टी ने एक बेहद महत्वपूर्ण और व्यापक रणनीति तैयार की है, जिसके तहत संगठन के वरिष्ठ नेता राज्य के हर जिले में जाकर सीधे जमीनी कार्यकर्ताओं से संवाद करेंगे और उनकी बात सुनेंगे। इस पूरी कवायद का मकसद न केवल कार्यकर्ताओं की नाराजगी को दूर करना है, बल्कि चुनाव से काफी पहले संगठन की कमजोर कड़ियों की पहचान कर उन्हें दुरुस्त करना भी है। पार्टी की इस नई रणनीति के केंद्र में राज्य के सभी जिलों का दौरा है। यूपी भाजपा के प्रभारी विनोद तावड़े, सह-प्रभारी मेधा कुलकर्णी, जगदीश पटेल, प्रदीप वर्मा, अनंत ओझा और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में वरिष्ठ नेताओं की अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश के हर जिले में प्रवास करेंगी। इस दौरान ये नेता स्थानीय पदाधिकारियों, बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं और आम लोगों से मुलाकात करेंगे। इसका सीधा उद्देश्य यह समझना है कि जमीनी स्तर पर सरकार की योजनाओं का क्या असर हो रहा है, कार्यकर्ताओं के मन में किस बात को लेकर असंतोष है और संगठन में कहां सुधार की गुंजाइश है।

इस व्यापक अभियान की नींव हाल ही में मथुरा में आयोजित दो दिवसीय चिंतन बैठक में रखी गई थी। इस महत्वपूर्ण बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बी.एल. संतोष सहित पार्टी के करीब 50 प्रमुख नेताओं ने हिस्सा लिया। हालांकि, इस बैठक के दौरान पार्टी के भीतर के कुछ पुराने समीकरण भी चर्चा में रहे। राज्य के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कलराज मिश्र, विनय कटियार और ओम प्रकाश सिंह जैसे वरिष्ठ नेता इस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। विनय कटियार ने तो यहां तक कहा कि उन्हें इस बैठक के बारे में कोई सूचना ही नहीं दी गई थी, जो यह दर्शाता है कि पार्टी को अभी भी अपने वरिष्ठ नेताओं के बीच समन्वय बनाने के लिए काफी काम करना होगा। बैठकों के इस दौर में सरकार और संगठन के बीच संवादहीनता का मुद्दा भी खुलकर सामने आया। मथुरा की चिंतन बैठक में बी.एल. संतोष ने सभी नेताओं से सीधे पूछा कि साल 2017 में राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद से ऐसे कितने लोग हैं, जो अब तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत रूप से नहीं मिल पाए हैं। इस सवाल पर पुष्कर मिश्रा, रंजना उपाध्याय और त्रयंबक त्रिपाठी जैसे नेताओं ने हाथ उठाए। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बैठक समाप्त होने के तुरंत बाद इन नेताओं की मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत मुलाकात करवाई गई। इससे पहले गोरखपुर में हुई एक अन्य बैठक में भी जमीनी हकीकत सामने आई थी, जब सह-प्रभारी जगदीश पटेल ने अपने बुंदेलखंड दौरे का अनुभव साझा किया था। उन्होंने बताया था कि ग्रामीणों ने हर घर जल योजना को लेकर गंभीर शिकायतें की हैं, जिस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल जांच के आदेश देने की बात कही थी। मथुरा बैठक के तुरंत बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिल्ली जाकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नितिन नवीन और बी.एल. संतोष के साथ भी लंबी मंत्रणा की, क्योंकि अमित शाह व्यस्तता के कारण मथुरा की बैठक में शामिल नहीं हो सके थे।

अगर इस पूरी रणनीति का राजनीतिक और संगठनात्मक दृष्टिकोण से विश्लेषण किया जाए, तो कई महत्वपूर्ण पहलू उभरकर सामने आते हैं। सबसे पहली बात यह है कि भाजपा ने इस बार समय से बहुत पहले चुनावी मोड में आने का फैसला किया है। आमतौर पर चुनावों से कुछ महीने पहले सक्रिय होने वाला संगठन अब सवा साल पहले से ही अपनी कमियों को दूर करने में जुट गया है। पार्टी को इस बात का अहसास है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में मिली हार का एक बड़ा कारण कार्यकर्ताओं की उदासीनता और स्थानीय स्तर पर विधायकों व अधिकारियों के प्रति नाराजगी थ

संत रोहिदास अल्पकालिक रोजगारपरक पाठ्यक्रम कार्यक्रम नया नाम: कैबिनेट मंत्री लोढ़ा



मुंबई (उत्तरशक्ति)। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में संचालित अल्पकालिक रोजगारपरक पाठ्यक्रम कार्यक्रम को आज से संत रोहिदास अल्पकालिक रोजगारपरक पाठ्यक्रम कार्यक्रम के नाम से जाना जाएगा। उद्योग क्षेत्र की बदलती आवश्यकताओं और रोजगार के नए अवसरों को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार की ओर से संचालित अल्पकालिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के STEP कार्यक्रम का विस्तार किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तीसरे चरण का शुभारंभ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा के हाथों मंत्रालय में किया गया। तीसरे चरण में राज्य के युवाओं के लिए कुल 26,520 प्रशिक्षण सीटों की क्षमता उपलब्ध कराई गई है, जिनमें से अब तक 18,266 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रवेश लिया है। इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से अपर मुख्य सचिव मनीषा वर्मा, आयुक्त डॉ. अमित सैनी, व्यवसाय एवं प्रशिक्षण निदेशालय के संचालक सतीश सूर्यवंशी तथा 400 आईटीआई के प्राचार्य उपस्थित थे।

मंत्री लोढ़ा ने कहा कि उद्योगों की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप आईटीआई के विद्यार्थियों के कौशल को विकसित करने में ये पाठ्यक्रम उपयोगी साबित होंगे। डिग्री शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास और कौशल संवर्धन भी आवश्यक है। इसके माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। विद्यार्थियों को नियमित शिक्षा या काम के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की सुविधा देने के लिए दो, तीन अथवा चार घंटे के प्रमाणित कौशल पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जाएंगे। पाठ्यक्रम पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया जाएगा। बदलती तकनीक के इस दौर में युवाओं के पास केवल शैक्षणिक डिग्री होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक एवं रोजगारपरक कौशल होना भी आवश्यक है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में रळएढ अर्थात अल्पकालिक रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। इस पहल के पहले चरण का शुभारंभ 8 अक्टूबर 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों किया गया था। मंत्री लोढ़ा ने कहा कि पारंपरिक कौशल प्रशिक्षण को आधुनिक तकनीक से जोड़कर युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना, महिलाओं का कौशल विकास करना और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल मानव संसाधन तैयार करना रळएढ कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। इस पहल से राज्य के युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। महिलाओं के कौशल विकास के लिए भी इस कार्यक्रम के अंतर्गत विशेष अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। पहले चरण में 260 प्रशिक्षण बैचों के माध्यम से 7,234 महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण का अवसर उपलब्ध कराया गया। इनमें सेमीकंडक्टर टेक्नीशियन, जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर और ब्यूटी थेरपिस्ट जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं।

जनसहभागिता से गोंदे खुर्द में किया गया वनराई बांध का निर्माण



पालघर(उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत पेसा कानून एवं वन अधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला के बाद पालघर जिले के मोखाडा तहसील स्थित साखरी ग्राम पंचायत के गोंदे खुर्द गांव में जनसहभागिता से वनराई बांध का निर्माण किया गया। प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी को प्रत्यक्ष रूप से अमल में लाते हुए ग्रामीणों ने सामूहिक श्रमदान के माध्यम से जल संरक्षण और सतत ग्राम विकास का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत ग्रामसभा मोबिलाइजरों के लिए पेसा कानून एवं वन अधिकार कानून के प्रभावी क्रियान्वयन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस दौरान कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामसभा की भूमिका तथा स्थानीय स्तर पर जनसहभागिता के महत्व के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। प्रशिक्षण के बाद सीखी गई बातों को व्यवहार में उतारने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान 2.0 के अंतर्गत गोंदे खुर्द में वनराई बांध निर्माण का कार्य शुरू किया गया। इस श्रमदान अभियान में ग्राम पंचायत के सरपंच, सदस्य एवं ग्रामीणों के साथ जिला परिषद पालघर की मुख्यमंत्री फेलो ईर्षा सोवनी, जिला प्रबंधक (पेसा) विकास पाटील, मोखाडा तहसील प्रशिक्षण समन्वयक राजाराम कोरडा तथा मोखाडा तहसील के सभी ग्रामसभा मोबिलाइजरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने श्रमदान कर बांध निर्माण में अपना योगदान दिया। वनराई बांध के निर्माण से बारिश के दौरान बहकर जाने वाले पानी को रोककर उसका संचयन किया जा सकेगा। इससे भूजल स्तर में वृद्धि, जल संरक्षण को बढ़ावा तथा गांव के प्राकृतिक संसाधनों का संवर्धन करने में मदद मिलेगी। स्थानीय स्तर पर जल सुरक्षा मजबूत करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण साबित होगी। इस अभियान की विशेषता यह रही कि पेसा एवं वन अधिकार कानूनों के प्रशिक्षण को केवल सैद्धांतिक जानकारी तक सीमित न रखते हुए उसे प्रत्यक्ष ग्राम विकास से जोड़ा गया। ग्रामसभा मोबिलाइजरों ने प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग गांव में सामूहिक विकास कार्य के लिए किया। इससे ग्रामसभा की सामूहिक निर्णय क्षमता और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी का महत्व भी सामने आया। सक्षम ग्रामसभा, जागरूक ग्रामीण और जनसहभागिता से समृद्ध गांव की अवधारणा को साकार करने वाली इस पहल ने यह संदेश दिया कि प्रशिक्षण से जागरूकता, जागरूकता से सहभागिता और सहभागिता से सतत ग्राम विकास का मार्ग प्रशस्त होता है। ग्राम पंचायत साखरी एवं गोंदे खुर्द के सरपंच, सदस्य, ग्रामीणों, मुख्यमंत्री फेलो, अधिकारियों-कर्मचारियों, तहसील प्रशिक्षण समन्वयक तथा सभी ग्रामसभा मोबिलाइजरों के सामूहिक प्रयासों से यह उपक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

चेन स्नैचिंग और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर आरोपी गिरफ्तार, तीन जबरन चेन स्नैचिंग के मामले और एक वाहन चोरी का अपराध उजागर

◆विरार क्राइम ब्रांच यूनिट-3 की बड़ी कार्रवाई, चोरी की होंडा एक्टिवा बरामद

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा कक्ष-3, विरार ने जबरन चेन स्नैचिंग और वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की गई सफेद रंग की होंडा एक्टिवा स्कूटर बरामद की है। इस कार्रवाई से तीन चेन स्नैचिंग और एक वाहन चोरी के मामले उजागर हुए हैं। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 17 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 2:15 बजे वसई पूर्व स्थित एवरशाइन सिटी में महानगरपालिका अस्पताल से घर जा रही 48 वर्षीय महिला को हिलटाउन सोसायटी के सामने दो अज्ञात व्यक्तियों ने निशाना बनाया। सफेद रंग के स्कूटर पर आए आरोपियों में पीछे बैठे व्यक्ति ने महिला के गले से 8 ग्राम वजन की सोने की चेन जबरन खींच ली और दोनों मौके से फरार हो गए। इस मामले में वालीव पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(6) और 3(5) के तहत



मामला दर्ज किया गया। इसी दिन दोपहर करीब 2:30 बजे नालासोपारा पूर्व के आचोले तालाब क्षेत्र में 40 वर्षीय महिला के साथ चेन स्नैचिंग की वारदात हुई। आचोले गांव की ओर से आए सफेद एक्टिवा स्कूटर पर सवार दो अज्ञात आरोपियों ने महिला के गले से 17 ग्राम वजन का सोने का मंगलसूत्र छीन लिया। इस दौरान हुई धक्का-मुक्की में महिला नीचे गिर गई और उन्हें मामूली चोटें भी आईं। इस संबंध में आचोले पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया।

वहीं, तीसरी घटना उसी दिन दोपहर करीब 2:40 बजे नालासोपारा पूर्व के ओसवाल नगरी क्षेत्र में हुई। प्रगति नगर की ओर पैदल जा रही 61 वर्षीय महिला को महालक्ष्मी अपार्टमेंट के सामने स्कूटर पर आए दो आरोपियों ने घेर लिया। आरोपियों ने महिला को डराकर उनके गले से 20 ग्राम वजन की सोने की चेन जबरन छीन ली और फरार हो गए। इस मामले में तुलिंज पुलिस स्टेशन में अपराध दर्ज किया गया। तकनीकी जांच से आरोपियों तक पहुंची पुलिस एक ही दिन में 30 से 40 मिनट के अंतराल पर हुई तीन चेन स्नैचिंग की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में अपराध शाखा कक्ष-3 ने घटनास्थलों का निरीक्षण कर समानांतर जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि आरोपी पुलिस की गतिविधियों से बचने के लिए वसई के कांदळवन और सुरुची बाग के आसपास के जंगल क्षेत्र में छिपे हुए थे। पुलिस टीम ने लगातार प्रयास कर 21 नवंबर 2026 को वसई गांव के पारनाका परिसर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया।

भिवंडी में ओवरलोड वाहनों का बेखौफ संचालन, आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

भिवंडी। भिवंडी तालुका का ग्रामीण क्षेत्र गोदामों का हब के रूप में जाना जाता है। यहां मुंबई-आगरा रोड, मानकोली-चिंचोटी रोड, भिवंडी-वाडा रोड और भिवंडी-पारोल रोड पर मालवाहक ट्रकों, टेंपो तथा भारी वाहनों की लगातार आवाजाही रहती है। लेकिन इन मार्गों पर क्षमता से अधिक माल भरकर दौड़ने वाले ओवरलोड वाहनों पर आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से नागरिकों में नाराजगी है। ओवरलोड वाहनों के कारण सड़कों पर अतिरिक्त भार पड़ता है, जिससे सड़कें समय से पहले खराब होकर जगह-जगह बड़े गड्ढों में तब्दील हो जाती हैं। इसके अलावा शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात जाम की समस्या भी गंभीर होती जा रही है। क्षमता से अधिक माल लदे वाहनों पर चालक का नियंत्रण बिगड़ने से गंभीर दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। ओवरलोड परिवहन पर नियंत्रण की जिम्मेदारी ठाणे प्रादेशिक परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और यातायात पुलिस की है। इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर इन विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि ओवरलोड वाहनों को कथित तौर पर संरक्षण दिया जा रहा है और अवैध वसूली का नेटवर्क सक्रिय है। यातायात नियंत्रण में सहयोग के लिए तैनात किए गए निजी व्यक्तियों को पुलिस विभाग में 'ट्रैफिक फ्रेंड' कहा जाता है। आरोप है कि इनमें से कुछ लोग ओवरलोड वाहनों से कथित रूप से पैसे वसूलने की बसते सामने आती रहती है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जाता है कि ठाणे आरटीओ कार्यालय ने भिवंडी में ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई के लिए विशेष पथक गठित किया है, लेकिन इसके बावजूद प्रमुख मार्गों पर नियमित कार्रवाई दिखाई नहीं देती।

उत्कर्ष विद्यार्थियों का संकल्प जीवनविद्या के कोर्स को मिला शानदार प्रतिसाद

◆400 से अधिक विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षाविदों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

मुंबई (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जीवनविद्या मिशन, ज्ञानसाधना केंद्र ठाणे-मुलुंड की ओर से रविवार 22 नवंबर 2026 को ठाणे पश्चिम स्थित वसंतराव नाईक सभागृह में कक्षा सातवीं से आगे के विद्यार्थियों के लिए उत्कर्ष विद्यार्थियों का संकल्प जीवनविद्या का विशेष विद्यार्थी कोर्स का आयोजन किया गया। इस कोर्स को ठाणे के 400 से अधिक विद्यार्थियों और अभिभावकों का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिला। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के शिक्षक, मुख्याध्यापक, प्राध्यापक तथा शिक्षण



संस्थानों के संचालक भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ उनके विचारों, अध्ययन क्षमता और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना था। कोर्स के प्रथम सत्र में फैकल्टी अस्मिता दाभाडे तथा द्वितीय सत्र में भक्ति बगवाडकर ने प्रभावशाली संवाद के माध्यम से मन का महत्व, पढ़ाई में एकाग्रता, अच्छी संगति और सकारात्मक विचारों की भूमिका को विस्तार से समझाया।

वक्ताओं ने विद्यार्थियों को जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए सही विचारों, अनुशासन और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थियों और अभिभावकों ने कोर्स के प्रति उत्साह दिखाते हुए अपने संतोषजनक अभिप्राय व्यक्त किये। उपस्थित लोगों ने इस पहल को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास की दिशा में उपयोगी बताया। इस आयोजन को सफल बनाने में जीवनविद्या मिशन, ठाणे-मुलुंड ज्ञानसाधना केंद्र की कार्यकारिणी, सभी उपकेंद्रों के केंद्र प्रमुखों और सक्रिय कार्यकताओं ने विशेष योगदान दिया। विभिन्न उपकेंद्रों के युवाओं ने तकनीकी व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, पंजीकरण, पेयजल, ग्रंथ स्टॉल तथा मंच संचालन संबंधी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी बखूबी निभाई। सभी कार्यकताओं के सामूहिक प्रयासों और सद्गुरु की कृपा से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसकी जानकारी जीवनविद्या मिशन, ज्ञानसाधना केंद्र ठाणे-मुलुंड के सचिव एवं पदाधिकारियों ने दी।

मुंबई पुस्तक महोत्सव में आचार्य पवन त्रिपाठी और राजेश विक्रांत की पुस्तकों पर परिचर्चा

मुंबई। मुंबई यूनिवर्सिटी कालीना परिसर में नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत आयोजित मुंबई पुस्तक महोत्सव में महोत्सव के मुख्य संयोजक आचार्य पवन त्रिपाठी और मुंबई इतिहासकार राजेश विक्रांत लिखित दो पुस्तकों- आजादी की लड़ाई में मुंबई का योगदान और उसके मराठी संस्करण स्वातंत्र्य लढ्यात मुंबईचे योगदान (अनुवादिका पल्लवी शिंदे माने विस्कॉन्सिन, यूएसए) पर एक परिसंवाद का आयोजन शनिवार 28 नवंबर 2026 को अपराह्न 3 बजे से 3.45 तक किया गया है। कार्यक्रम की जगह महोत्सव का ऑथर्स कार्नर-2, नजदीक गेट नम्बर 2 है। इस परिसंवाद में सुप्रसिद्ध कवि व मंच संचालक देवमणि पाण्डेय, मुंबई यूनिवर्सिटी गरवारे संस्थान के हिंदी पत्रकारिता समन्वयक व सुप्रसिद्ध लेखक सैयद सलमान तथा महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री प्रकाश मेहता वक्ता के रूप में उपस्थित रहने वाले हैं। इस अवसर पर दोनों पुस्तकों के प्रकाशक भारत पब्लिकेशन, मुंबई की प्रमुख सुश्री कमर जबीं तथा अनुवादिका पल्लवी माने का सम्मान भी किया जाएगा। बता दें कि 2022 में

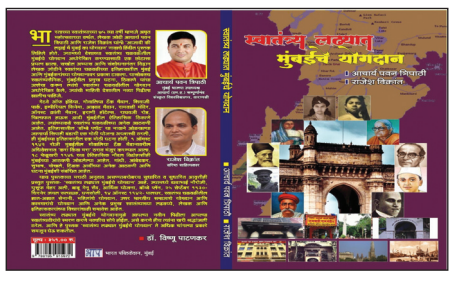

'आजादी की लड़ाई में मुंबई का योगदान तथा स्वातंत्र्य लढ्यात मुंबईचे योगदान का प्रकाशन वर्ष 2024 है। दोनों पुस्तकें आर के पब्लिकेशन के स्टॉल संख्या ई- 01 पर विक्री के लिए उपलब्ध रहेंगी। परिसंवाद में अतिथियों का स्वागत आचार्य पवन त्रिपाठी करेंगे जबकि कार्यक्रम का संचालन राजेश विक्रांत द्वारा किया जाएगा। बता दें कि मुंबई पुस्तक महोत्सव 24 से 29 नवंबर 2026 तक सुबह 11 बजे से रात 10 बजे तक खुला है। इसमें प्रवेश निशुल्क है और पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था है।

25 नवंबर को पालघर में होगा जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन, युवाओं को मिलेगा प्रतिभा प्रदर्शन का मंच

◆लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला और कविता लेखन प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

◆15 से 29 वर्ष तक के युवक-युवतियां ले सकेंगे हिस्सा

पालघर(उत्तरशक्ति)। युवाओं की छिपी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने तथा उनमें नेतृत्व क्षमता और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पालघर जिले में 25 नवंबर 2026 को जिला स्तरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया है। सफाले स्थित राजगुरु ह. म. पंडित विद्यालय में सुबह 10 बजे से आयोजित होने वाले इस महोत्सव में लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला और कविता लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेंगी। इसके माध्यम से जिले के युवा अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकेंगे। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं का सर्वांगीण विकास करना, भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं का संरक्षण करना, युवाओं के सुप्त कलागुणों को उचित मंच प्रदान करना तथा उनमें राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। वर्ष 2026-27 के राष्ट्रीय युवा महोत्सव के अंतर्गत विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद (श्ड छऊ) का आयोजन आगामी 10 से 12 जनवरी 2027 तक किया जायेगा। इसी कार्यक्रम की पृष्ठभूमि में पालघर जिले में जिला स्तरीय युवा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।

इस महोत्सव में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवक-युवतियां भाग ले सकेंगे। आयु की गणना 17 अगस्त 2026 को आधार मानकर की जायेगी। जिले के इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं कृषि महाविद्यालयों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों, स्कूल-कॉलेजों, विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं और सांस्कृतिक मंडलों के पात्र युवा इसमें हिस्सा ले सकते हैं। इसके लिए पालघर जिले का निवासी होना अथवा जिले में शिक्षा प्राप्त करना आवश्यक है।

317 अधिकृत चमड़ा स्टॉल धारकों के समर्थन में उतरे मंत्री प्रताप सरनाईक

◆प्रस्ताव क्रमांक 60 रद्द करने के लिए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लिखा पत्र; पांच दिनों से आंदोलन कर रहे चमड़ा श्रमिकों से की मुलाकात

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर महानगरपालिका क्षेत्र के 317 अधिकृत चमड़ा स्टॉल धारकों और दिव्यांग लाइसेंस धारकों को न्याय दिलाने के लिए महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक मैदान में उतर गए हैं। महानगरपालिका के प्रस्ताव क्रमांक 60 को रद्द करने की मांग को लेकर उन्होंने राज्य के उपमुख्यमंत्री एवं नगर विकास मंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। मंत्री प्रताप सरनाईक ने 23 नवंबर को भयंदर पश्चिम स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस मैदान में पिछले पांच दिनों से अपने परिवारों के साथ आंदोलन कर रहे चमड़ा श्रमिकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आंदोलनकारियों की समस्याएं सुनीं और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनके साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। गौरतलब है कि 13 अगस्त 2026 को मीरा-भायंदर महानगरपालिका की आमसभा में सत्ताधारी दल द्वारा प्रस्ताव क्रमांक 60 पारित किया गया था। इस प्रस्ताव



के चलते शहर में वर्षों से पारंपरिक व्यवसाय कर रहे 317 अधिकृत चमड़ा स्टॉल धारकों और दिव्यांग लाइसेंस धारकों की आजीविका पर संकट मंडराने लगा है। इसके विरोध में मीरा-भायंदर नगर चमड़ा श्रमिक संघ ने आंदोलन शुरू किया है और मंत्री सरनाईक को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा है। आंदोलन स्थल पर श्रमिकों को संबोधित करते हुए मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि चमड़ा श्रमिक समाज की सामाजिक और आर्थिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। आर्थिक रूप से कमजोर इस वर्ग के हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। राज्य सरकार के निर्देशों के अनुसार इन 317 ग्रुप-ई श्रमिकों को अधिकृत स्टॉल आवंटित किए गए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि शहर में अनधिकृत स्टॉलों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन अधिकृत 317 चमड़ा स्टॉल धारकों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होना चाहिए। प्रस्ताव रद्द होने तक कार्रवाई रोकने की मांग उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लिखे पत्र में मंत्री सरनाईक ने उल्लेख किया है कि प्रस्ताव क्रमांक 60 पारित करते समय संबंधित स्टॉल धारकों और दिव्यांग लाइसेंस धारकों के हितों एवं उनके पक्ष को उचित महत्व नहीं दिया गया। उन्होंने मांग की है कि संविधान द्वारा प्रदत्त सम्मानपूर्वक जीवन जीने और आजीविका कमाने के अधिकारों की रक्षा के लिए महानगरपालिका आयुक्त को प्रस्ताव क्रमांक 60 पर पुनर्विचार कर उसे तत्काल निरस्त करने के निर्देश दिए जाएं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी मांग की है कि जब तक इस मामले में अंतिम निर्णय नहीं हो जाता, तब तक 317 अधिकृत चमड़ा स्टॉल धारकों और दिव्यांग लाइसेंस धारकों के व्यवसायों के खिलाफ किसी भी प्रकार की अनुचित कार्रवाई नहीं की जाए। मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस मामले में सकारात्मक और न्यायपूर्ण निर्णय सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास करने का भरोसा दिलाया है। उनके इस हस्तक्षेप से आंदोलन कर रहे 317 अधिकृत स्टॉल धारकों में न्याय मिलने की उम्मीद जगी है।

रीना मेहता कॉलेज में हायर एजुकेशन प्रिंसिपल्स कॉन्क्लेव आयोजित, NEP-2020 और उच्च शिक्षा के नवाचार पर हुआ मंथन

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। जीवन ज्योत एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित रीना मेहता कॉलेज ऑफ आर्ट्स, साइंस, कॉमर्स एंड मैनेजमेंट स्टडीज में शनिवार, 21 नवंबर 2026 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 पर आधारित हायर एजुकेशन प्रिंसिपल्स कॉन्क्लेव (उच्च शिक्षा प्रधानाचार्य सम्मेलन) का आयोजन किया गया। सम्मेलन में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, प्रभावी संस्थागत नेतृत्व और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस आयोजन में जीवन ज्योत एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट के वाइस चेयरमैन एवं जनरल सेक्रेटरी डॉ. नरेंद्र मेहता की मुख्य भूमिका रही। सम्मेलन की मुख्य विषयवस्तु पायनियरिंग इनोवेशन इन हायर एजुकेशन के अंतर्गत उच्च शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, गुणवत्तापूर्ण,



व्यावहारिक और रोजगारोन्मुखी बनाने के साथ शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में शिक्षा अधिकारी संदीप पाटिल मुख्य अतिथि के रूप में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ऑनलाइन शामिल हुए। उन्होंने उच्च शिक्षा को बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन में विभिन्न प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों के प्रिंसिपल्स एवं शिक्षाविदों ने पैनलिस्ट के रूप में हिस्सा लिया। इनमें हिंदुजा कॉलेज की डायरेक्टर डॉ. मीनू मदलानी, नागिंदास कॉलेज की प्रिंसिपल एवं डायरेक्टर डॉ. मौशमी दत्ता, एम.एल. दहानुकर कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विनय भोले, बंट्स संघ कॉलेज के डायरेक्टर डॉ. राजेंद्र पाटिल, एनएसएम कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. वीना प्रसाद तथा जे.के. कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. श्रद्धा भोमे शामिल थीं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

परीक्षा की शुचिता और समयबद्ध परिणाम सर्वोच्च प्राथमिकता: कुलपति

मूल्यांकन एवं परीक्षा परिणाम के लिए 10 समितियों का गठन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आगामी स्नातक एवं स्नातकोत्तर कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में समितियों की बैठक हुई।



विषम सेमेस्टर परीक्षाओं को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। परीक्षा मूल्यांकन और समयबद्ध परिणाम घोषित करने के लिए विश्वविद्यालय ने 10 समितियों का गठन किया है। सोमवार को बैठक में कुलपति ने कहा कि परीक्षा की शुचिता, पारदर्शिता और परिणाम की समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने उत्तर पुस्तिकाओं के सुरक्षित रखरखाव, मूल्यांकन केंद्रों की व्यवस्था, ऑनलाइन उपस्थिति, ओएमआर सत्यापन और परीक्षकों के समन्वय को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि सेमेस्टर परीक्षाओं के साथ ही मूल्यांकन कार्य शुरू कराया जाएगा, ताकि समय से परिणाम घोषित हो सकें। वहीं डॉ. अमरेंद्र कुमार सिंह ने गठित 10 समितियों के कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियों की जानकारी दी।

बैठक में डॉ. योगेंद्र प्रताप सिंह, डॉ. विशाल यादव, प्रो. अजय प्रताप सिंह, संजय शर्मा, अतुल गुप्ता, श्याम त्रिपाठी, डॉ. नृपेन्द्र सिंह, नीरज कुमार और डॉ. संजीव गंगवार सहित विभिन्न समितियों के प्रभारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पीडीए समाज के पूरे वोट की हकदार सपा और उसका गठबंधन: मोहम्मद अरशद खान

2027 में पीडीए की सरकार बनाने के लिए एकजुट होने की अपील

जौनपुर(उत्तशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज (पीडीए) के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक अधिकारों की लड़ाई समाजवादी पार्टी लगातार लड़ रही है। इसलिए पीडीए समाज के पूरे वोट की हकदार सपा और उसका गठबंधन है।



उन्होंने कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में सामाजिक न्याय, जातीय जनगणना, आरक्षण की रक्षा, शिक्षा और रोजगार के मुद्दों को मजबूती से उठाया जा रहा है। पीडीए समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। चुनाव में वोटों का बिखराव सामाजिक न्याय की लड़ाई को कमजोर करेगा।

मोहम्मद अरशद खान ने पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज से आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होने तथा 2027 के विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी और उसके गठबंधन को मजबूत बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि लक्ष्य ऐसी सरकार बनाना है, जिसमें हर वर्ग को सम्मान, भागीदारी और न्याय मिले।

नेताजी की जयंती पर पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई ने लगाया विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

हजारों लोगों को मिला लाभ



शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को विधानसभा क्षेत्र शाहगंज के पखनपुर मोड़ पर पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई के नेतृत्व में विशाल नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हजारों गरीबों, जरूरतमंदों एवं क्षेत्रीय नागरिकों ने पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण, चिकित्सकीय परामर्श, उपचार और निःशुल्क दवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में हड्डी रोग, जनरल मेडिसिन, सर्जरी, यूरोलॉजी, स्त्री रोग, बाल रोग, ईएनटी, हृदय, श्वास, शुगर एवं दंत रोग सहित विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और उपचार उपलब्ध कराया। कार्यक्रम का शुभारंभ पूर्व मंत्री शैलेन्द्र यादव ललई ने नेताजी मुलायम सिंह यादव के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं केक काटकर किया। उन्होंने शिविर में सेवाएं देने वाले चिकित्सकों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर शैलेन्द्र यादव ललई ने कहा कि नेताजी का पूरा जीवन गरीबों, किसानों, नौजवानों और वंचितों के अधिकार एवं सम्मान की लड़ाई को समर्पित रहा। जरूरतमंदों की सेवा और समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है।

कार्यक्रम में संजय यादव, शिवेन्द्र यादव, मिथिलेश यादव, अरशद अंसारी, वीरेन्द्र सिंह बंटी, उरूज अहमद, देवमणि यादव, प्रमोद यादव, विक्रम बिन्द, सूफियान अहमद, सुशील यादव, सुरेन्द्र यादव, राम आसरे यादव, भूपेन्द्र यादव, त्रिभुवन यादव, राजपत यादव, सचिन यादव सहित समाजवादी पार्टी के बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

बिहार के दो गांजा तस्कर गिरफ्तार

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिशूल के तहत जहानागंज पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 11.334 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। दोनों आरोपी बिहार के सारण (छपरा) जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के क्रम में 22 नवंबर को जहानागंज पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बजहा पुलिया के पास घेराबंदी कर दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिल कुमार राय पुत्र अलगु राय, निवासी पदुमपुर दुमर्सन, थाना मसरख, जनपद सारण (छपरा), बिहार और लालबाबु राय पुत्र योगेन्द्र राय, निवासी ग्राम सरदारगंज, थाना मसरख, जनपद सारण (छपरा), बिहार के रूप में हुई है। अनिल कुमार के कब्जे से 6.154 किलोग्राम और लालबाबु राय के पास से 5.180 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया।

रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

जौनपुर के मनेछा में बादशाही मंदिर के पास हादसा; घायल हिमांशु सिंह ने अस्पताल में दम तोड़ा

मो.आसिफ

मानीकलां,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र में सोमवार को रोडवेज बस और बाइक की टक्कर में हिमांशु सिंह की मौत हो गई। हादसा मनेछा में बादशाही मंदिर के पास हुआ। हिमांशु गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। शव को मेडिकल कॉलेज जौनपुर भेजा गया। हिमांशु सिंह खुखुंदू, जिला देवरिया के रहने वाले थे। उनके पिता का नाम स्व. अजय सिंह था। वह बाइक से चन्दवक, जौनपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान शाहगंज की तरफ जा रही रोडवेज बस से उनकी टक्कर हो गई। हिमांशु वाहन मेंटेनेंस और मरम्मत का काम करते थे। वह तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर थे और अविवाहित थे। उनके पिता की पहले ही मौत हो चुकी थी। हादसे की खबर मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे।

आल्हा-काल्हा मंदिर में बाउंड्री निर्माण को लेकर फिर बढ़ा विवाद, दोनों पक्ष आमने-सामने

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के शिवपुर थाना क्षेत्र के परमानंदपुर स्थित आल्हा-काल्हा पोखरा और सार्वजनिक पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में बाउंड्री वॉल निर्माण को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते 22 नवंबर को कई महिलाओं ने शिवपुर थाने पहुंचकर प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी। वहीं आज सोमवार को एक बार फिर कथित अवैध कब्जे के विरोध में महिलाएं और ग्रामीण मंदिर परिसर पहुंच गए। मौके पर दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस हो रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि सार्वजनिक मंदिर और उससे जुड़ी जमीन पर कब्जे की कोशिश की जा रही है। मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। प्रशासन की कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।



खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 15 गोल्ड व सिल्वर जीत बढ़ाया जनपद का मान

जीत की जानकारी पर खुशी से झूम उठे खिलाड़ियों के परिजन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के के.डी. कराटे स्पोर्ट अकादमी के खिलाड़ियों ने कानपुर के द स्पोर्ट्स हब इंडोर स्टेडियम में आयोजित तीसरी अंतरराष्ट्रीय ओपन कराटे चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में 15 गोल्ड व 1सिल्वर मेंडल जीत जनपद के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की।गौरवपूर्ण जीत की जानकारी होते ही खिलाड़ियों के परिवार के लोग खुशी से झूम उठे,होनहार खिलाड़ियों के परिजनों को बधाई देने के लिए क्षेत्र के लोगों का तांता सुबह से लगा रहा।बात दे कि अकादमी के कोच सोनू यादव के सानिध्य में अकादमी के खिलाड़ियों ने कई नेशनल व इंटरनेशनल प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए अनगिनत गोल्ड व सिल्वर मेंडल जीत ग्राम व जनपद का नाम रोशन कर चुके है

गोल्ड मेंडल जीतने वाले खिलाड़ी

प्रतियोगिता में 15 गोल्ड जीतने वाले खिलाड़ियों में से शालिनी मौर्या, भरत यादव, सोनाली यादव, शीलू पासवान, सुमित पासवान, उत्कर्ष यादव, कृष सेठ, अंशिका बेनवंशी, अनुष्का बेनवंशी, गीतिका बेनवंशी, अदिति सिंह गौतम, पायल चौहान, आंचल चौहान, प्रिंस गिरी, शिवा यादव व अंश यादव ने सिल्वर मेडल जीता।



पुलिस की गरिमा, त्याग और बलिदान को किया नमन, झण्डा दिवस पर एसपी ने किया ध्वजारोहण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस झण्डा दिवस के अवसर पर सोमवार को पुलिस लाइन क्वार्टर गार्द में पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने विधिवत पुलिस ध्वज फहराकर सम्मानपूर्वक नमन किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए पुलिस विभाग की गौरवशाली परंपरा, शौर्य, अनुशासन, त्याग और बलिदान के महत्व पर प्रकाश डाला। एसपी ने पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ करने की प्रेरणा दी। उन्होंने आमजन की सुरक्षा, सेवा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर रहने का आह्वान किया। साथ ही पुलिस विभाग की गरिमा एवं प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए सभी पुलिसकर्मियों को संकल्प दिलाया।



रास्ते में रोककर युवक को लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीटा, चार पर केस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खेतासराय थाना क्षेत्र के मानीकलां गांव में पुरानी रंजिश को लेकर एक युवक की रास्ते में रोककर पिटाई करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मारपीट, धमकी और एससी-एसटी एक्ट समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।मानीकलां गांव निवासी राजनीश कुमार सोनकर पुत्र अमरनाथ सोनकर के अनुसार, 20 नवंबर की रात करीब आठ बजे वह अपने बड़े पिता के घर दीपक जलाने जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में गांव के रोशन बिंद पुत्र प्यारे लाल, पवन बिंद, लकी बिंद और विनय बिंद ने उन्हें रोक लिया।आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर चारों ने जातिसूचक

पुरानी रंजिश में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप, एससी-एसटी एक्ट के तहत भी कार्रवाई

शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से हमला कर दिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर किसी तरह युवक को बचाया। पीड़ित का आरोप है कि मारपीट में गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गया। जाते समय आरोपियों ने दोबारा जान से मारने की धमकी भी दी।मामले में पुलिस ने 21 नवंबर की देर रात भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 352, 351(3), 110 तथा एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(2)() के तहत मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बेटे की शादी के दूसरे दिन पिता की हादसे में मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिस घर में एक दिन पहले बेटे की शादी की शहनाई गूंज रही थी, वहां शनिवार देर शाम चीख-पुकार मच गई। शुक्रवार को बड़े बेटे की शादी की खुशियां मनाने वाले 60 वर्षीय सुरेंद्र कुमार विश्वकर्मा की अगले ही दिन सड़क हादसे में मौत हो गई। नई बहू के स्वागत और रिश्तेदारों की चहल-पहल से गुलजार घर में अचानक मातम छा गया। इस हृदयविदारक घटना से परिवार ही नहीं, पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

केराकत क्षेत्र के तरियारी गांव निवासी सुरेंद्र कुमार विश्वकर्मा शनिवार को केराकत बाजार से जरूरी सामान खरीदकर बाइक से घर लौट रहे थे। शाम करीब साढ़े तीन बजे शाहबुद्दीनपुर गांव के पास अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। इससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर जिला अस्पताल जा रहे थे, तभी रास्ते में शनिवार देर शाम उनकी मौत हो गई।हादसे की खबर घर पहुंचते ही शादी की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। शुक्रवार को ही उनके बड़े बेटे हिमांशु का विवाह संपन्न हुआ था। शनिवार सुबह नई बहू मायके से ससुराल पहुंची थी। घर में रिश्तेदार और मेहमान मौजूद थे।

विद्यासागर सोनकर का गौराकलां में हुआ भव्य सम्मान

विधायक रमेश चंद्र मिश्र बोले- जौनपुर की सभी सीटों पर खिलेगा कमल, भाजपा को मजबूत करने का लिया संकल्प

दिलशाद अहमद सानू

तेजीबाजार, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार क्षेत्र के गौराकलां गांव में सोमवार को नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। दोपहर 12 बजे से शुरू हुआ कार्यक्रम अपराह्न तीन बजे तक चला। समारोह में भाजपा नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत करते हुए फूल-मालाओं, पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह स्थल पर पहुंचने के बाद राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर और बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने सबसे पहले हनुमान मंदिर में पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके बाद सम्मान समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम



में विशिष्ट अतिथि के रूप में बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्र, जौनपुर के पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह तथा नगरपालिका परिषद जौनपुर के अध्यक्ष प्रतिनिधि रामसूरत मौर्य मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जय हिंद इंटर कॉलेज के पूर्व प्रवक्ता अखिलेश चंद्र मिश्र ने की। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि विद्यासागर सोनकर के साथ मिलकर भाजपा को और अधिक मजबूत बनाने का काम किया जाएगा। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि आने वाले समय में जौनपुर जिले की सभी सीटों पर कमल खिलेगा। जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि आशीष सिंह आशु ने भी अपने विचार व्यक्त किए। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि सभी लोग पूरी मेहनत, निष्ठा और ईमानदारी के साथ पार्टी के लिए काम करते रहें।

नेताजी की जयंती पर मछलीशहर को मिली बड़ी सौगात, साकार हुआ जया बच्चन का वादा

'वीरांगना फूलन देवी आई हॉस्पिटल' का विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने किया भव्य शुभारंभ

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के संस्थापक एवं धरतीपुत्र श्रद्धेय मुलायम सिंह यादव 'नेताजी' की जयंती के अवसर पर रविवार को मछलीशहर विधानसभा क्षेत्र को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक सौगात मिली। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) परिसर में नवनिर्मित आधुनिक नेत्र चिकित्सालय 'वीरांगना फूलन देवी आई हॉस्पिटल' का स्थानीय विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने दोपहर 3 बजे विधिवत फीता काटकर भव्य उद्घाटन किया। इस ऐतिहासिक क्षण की साक्षी बनने के लिए सैकड़ों की संख्या में महिलाएं और क्षेत्रीय नागरिक पहुंचे। जनता ने जताया विधायक डॉ रागिनी सोनकर का आभार व्यक्त किया।

इस आधुनिक नेत्र चिकित्सालय की स्थापना राज्यसभा सांसद श्रीमती जया बच्चन की विशेष पहल और जनकल्याणकारी संकल्प का परिणाम है। वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए श्रीमती जया बच्चन ने क्षेत्रीय जनता से यह वादा किया था कि यदि यहाँ से सपा प्रत्याशी को जीत मिलती है, तो क्षेत्रवासियों को आँखों के बेहतर इलाज के लिए एक अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण किया जाएगा। आज विधायक डॉ. रागिनी सोनकर के प्रयासों और सांसद जया बच्चन के सहयोग से यह संकल्प धरातल पर साकार हुआ है। अब क्षेत्रीय लोगों को आँखों की गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इस नेक पहल के लिए क्षेत्रवासियों ने सांसद और विधायक के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में पहुंची महिलाओं का उत्साह



देखते ही बन रहा था। विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने सैकड़ों की संख्या में उपस्थित मातृशक्ति का विशेष आभार प्रकट करते हुए कहा कि नेताजी की जयंती पर जनता की सेवा में यह अस्पताल समर्पित करना उनके लिए गर्व का विषय है।

इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक कैलाश नाथ सोनकर, पूर्व चेयरमैन महमूद आलम, डॉ.तेज बहादुर यादव, सभासद डॉ.हस्सान, सभासद मुन्ना, सभासद फराज सिद्दीकी, पंधारी लाल यादव, अभिमन्यु यादव, प्रकाश यादव, विजय यादव, अजमत राईन, सोनू फरीदी और बबलू राईन सहित सैकड़ों की संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

जौनपुर में वृहद ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का सफल आयोजन, हवाई हमले से लेकर राहत-बचाव तक का हुआ सजीव प्रदर्शन

◆ **रेड अलर्ट पर गूंजा सायरन, बन्द की गई बिजली आपूर्ति**

ड्रोन निष्क्रिय करने, आग बुझाने और मलबे में फंसे लोगों को निकालने का किया गया अभ्यास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। किसी भी संभावित युद्ध या आपातकालीन स्थिति से निपटने तथा नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार की शाम पुलिस लाइन्स जौनपुर में नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से वृहद ब्लैकआउट मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देश पर आयोजित इस अभ्यास में हवाई हमले की चेतावनी, रेड अलर्ट, ब्लैकआउट, ड्रोन निष्क्रिय करने से लेकर राहत एवं बचाव कार्यों का सजीव प्रदर्शन किया गया।

मॉक ड्रिल के दौरान शाम छह बजे सामान्य जनजीवन के प्रदर्शन के साथ अभ्यास शुरू हुआ। इसके पांच मिनट बाद हवाई हमले की काल्पनिक सूचना पर रेड अलर्ट जारी किया गया। दो मिनट तक ऊंची-नीची आवाज में सायरन बजाया गया और निर्धारित क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति बंद कर ब्लैकआउट की स्थिति बनाई गई। नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों ने पुलिस के सहयोग से लोगों को सुरक्षित स्थानों एवं बंकरों तक पहुंचाने का अभ्यास किया।

अभ्यास के दौरान अग्निशमन दल ने गैस सिलेंडर, पेट्रोल एवं अन्य ज्वलनशील पदार्थों से लगी आग पर काबू पाने का प्रदर्शन किया। फायर सूट पहनकर आग से प्रभावित भवन में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घायलों को प्राथमिक उपचार देने, पट्टी बांधने, टूटी हड्डियों पर स्प्लिंट लगाने और स्ट्रेचर के माध्यम से एंबुलेंस तक पहुंचाने का अभ्यास किया।

बचाव अभियान में ऊंची इमारत से जाल के सहारे लोगों को सुरक्षित उतारने, दुर्घटनाग्रस्त कार का शीशा तोड़कर फंसे व्यक्ति को बाहर निकालने तथा दीवार काटकर मलबे में दबे लोगों को सुरक्षित निकालने का भी प्रदर्शन किया गया। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों ने अपने बचाव कौशल का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों से



निपटने की तैयारियों का परिचय दिया।

इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट एवं उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा महिपाल सिंह ने कहा कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में प्रशासन और संबंधित विभागों की तैयारियों को परखना तथा आपसी समन्वय को मजबूत बनाना है। वास्तविक आपदा के समय त्वरित निर्णय, प्रभावी संचार व्यवस्था और संसाधनों का सही उपयोग बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे अभ्यासों से जन-धन की हानि कम करने और प्रभावित लोगों तक समय से सहायता पहुंचाने में मदद मिलती है।

उन्होंने आमजन से अपील की कि आपातकालीन परिस्थितियों में घबराने के बजाय धैर्य बनाए रखें तथा प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख ने किया। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी, क्षेत्राधिकारी यातायात सुनील चंद तिवारी, चीफ वार्डन नागरिक सुरक्षा डॉ. मनोज वत्स, पुलिस लाइन के आरआई डी.डी. दीक्षित सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे। नागरिक सुरक्षा टीम के दीपक श्रीवास्तव, नेहा जैन, एस.एन. सिंह, डॉ. अंजना सिंह, उर्वशी सिंह, आशीष श्रीवास्तव, रियाज उल हक, आबिश इमाम सहित स्वयंसेवक, एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ के जवान और विभिन्न क्लबों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।



रोजगार मेले में 1468 युवाओं ने दिया साक्षात्कार, 663 शॉर्टलिस्ट



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान सिद्दीकपुर में जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से विधानसभा सदर स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेले में 21 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें 1468 युवाओं ने साक्षात्कार दिया। इनमें से 663 अभ्यर्थियों को विभिन्न पदों के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया, जबकि 10 अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने किया। उन्होंने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को उनकी शैक्षिक एवं तकनीकी योग्यता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि जनपद की सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में रोजगार मेले आयोजित कर युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मेले में टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, हिंडाल्को, अशोक लीलैंड, बजाज ऑटो, एमआरएफ, डिक्सन टेक्नोलॉजी, एक्सिस बैंक, पेटीएम, एयरटेल सहित 21 कंपनियों ने विभिन्न पदों के लिए अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। इस अवसर पर जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष को मिला एक्सटेंशन

पटना (उत्तरशक्ति)। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष ने देश भर के परिवारों के दिलों में एक खास जगह बना ली है और हर पीढ़ी के दर्शकों से भरपूर प्यार और सराहना हासिल की है। दर्शकों के इस जबरदस्त प्यार, समर्थन और शानदार रिस्पॉन्स को देखते हुए, अब सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर इंडियन गेम शो विद भारती एंड हर्ष को एक्सटेंशन मिल गया है। शो के एक्सटेंशन के बारे में बात करते हुए भारती सिंह ने कहा कि पूरे भारत के दर्शकों से इंडियन गेम शो को जो प्यार और रिस्पॉन्स मिला है, वह वाकई अभिभूत करने वाला है। हर्ष और मेरे बीच एक विचार के रूप में शुरू हुआ यह सफर आज बेहद खास बन गया है और शो का एक्सटेंशन इस सफर को और भी संतोषजनक बनाता है। हर्ष लिंबाचिया ने आगे कहा कि जब भारती और मैंने पहली बार इंडियन गेम शो की कल्पना की थी, तो हमारा सबसे बड़ा सपना एक ऐसा फॉर्मेट बनाना था जिससे दर्शक जुड़ सकें और उसका आनंद ले सकें। हमारे विजन को पहचानने और हमें देश भर के दर्शकों तक पहुंचने का अवसर देने के लिए मैं सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का तहे दिल से शुक्रगुजार हूं।

चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन ने बिहार में कंप्यूटर लैब का किया उद्घाटन



पटना(उत्तरशक्ति)। अखिल भारतीय स्तर पर कार्यरत गैर-लाभकारी संस्था चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन ने नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के सहयोग से बिहार के शेखपुरा जिले के बरबीघा स्थित मेहुस के राजकीयकृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक नई कंप्यूटर लैब का उद्घाटन किया। इस कंप्यूटर लैब में 10 कंप्यूटर और एक ऑल-इन-वन प्रिंटर लगाए गए हैं। यह पहल विद्यालय के शैक्षणिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को डिजिटल शिक्षा और तकनीक आधारित शिक्षण के अवसर उपलब्ध होंगे। इस उद्घाटन समारोह में नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड की स्वतंत्र निदेशक डॉ. पूनम शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। इस पहल पर अपनी बात रखते हुए चाइल्ड हेल्प फाउंडेशन के सीईओ शाजी वर्गीज ने कहा कि इस तरह के विद्यालय में कंप्यूटर लैब स्थापित करना केवल मशीनें उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोलने जैसा है। डिजिटल शिक्षा की इस दूरी को कम करना और विद्यार्थियों को अनजान तकनीक से आत्मविश्वास के साथ जोड़ना ही वह सार्थक बदलाव है, जिसे हम इस तरह की पहलों के माध्यम से लाना चाहते हैं।

ट्रक की टक्कर से खाईं में पलटी श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली



रामसनेहीघाट (बाराबंकी)। अयोध्या से कोटवाधाम जा रही श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली रविवार रात करीब एक बजे रामसनेहीघाट इलाके में ट्रक की टक्कर से हाईवे किनारे खाईं में जा पलटी। चीख-पुकार के बीच 20 घायलों को पुलिस ने अस्पताल भिजवाया। इसमें चार को गंभीर चोट आई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग से ट्रक की तलाश में जुटी है।

पुलिस के अनुसार, अयोध्या के इनायत नगर के पटतौली गांव से ट्रैक्टर-ट्रॉली श्रद्धालुओं को लेकर जिले के बदोसराय क्षेत्र में स्थित कोटवाधाम जा रही थी। रात करीब एक बजे पुलिस को सूचना मिली कि रामसनेहीघाट से करीब तीन किमी दूर कल्याणी नदी पुल के उस पार बाईं ओर करीब 15 फीट गहरी खाईं में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। पुलिस ने राहगीरों की मदद से खाईं में पलटी ट्रॉली के नीचे दबे और फंसे लोगों को बाहर निकाला। सभी को सीएचसी रामसनेहीघाट लाया गया। अयोध्या के तिवारी का पुरवा थाना इनायत नगर निवासी रामकुमारी (40), अंशू देवी (30), करन (20), संतरा देवी (55), केशपति (50), ललई का पुरवा निवासी संतोष कुमारी (55), तिलक रानी (55), राज बाला (54), दुबे का पुरवा निवासी राजकुमारी (40), कुछेहरा के दुर्गा प्रसाद (35), अतरौली बाजार की आशावती (40), ललई का पुरवा की शांति देवी (55), तिवारी का पुरवा की भाग्यवती (50), जोखू दुबे का पुरवा की चंदा देवी (65), तिवारी का पुरवा के शिवांश (13), अंकेश कुमार (10), प्रियांशु (10) व नितिन (12) को सहित 18 को सीएचसी में भर्ती कराया गया। दो को हल्की चोट आईं। केशपति, राजबाला व राजकुमारी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। संतरा देवी को परिजन अयोध्या लेकर चले गए। सीओ सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि घायलों ने बताया कि ट्रक की पीछे से टक्कर लगी थी।

चार धाम व बारह ज्योतिलिंगों की यात्रा पश्चात महाप्रसाद का हुआ आयोजन



ठाणे। कल्याण शहर के खडगपाढा निवासी राजेन्द्र अजारीवाल के चार धाम एवं बारह ज्योतिलिंगों के साथ यमुनोत्री, गंगोत्री, मानसरोवर की सफल पवित्र यात्रा पश्चात महाप्रसाद का आयोजन रविवार 22 नवंबर 2026 को आधार वाड़ी के माधव बैंक्वेट हॉल में किया गया।यह पवित्र मांगलिक आयोजन राजेंद्र अजारीवाल की पुत्री अर्पिता अजारीवाल ने किया। कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप से प्रेस वार्ता में उन्होंने बताया कि माता-पिता देवतुल्य हैं इनकी सेवा ही सभी तिर्थो के बराबर है इस उद्देश्य से पिता के मनोभावों का सम्मान करते हुए हमने उन्हें सभी तिर्थों की यात्रा करवाई।आज वे खुश हैं यह देखकर मैं और मेरा संपूर्ण परिवार धन्य हुआ। वास्तव में बता दें कि अर्पिता अजारीवाल ने अपने सभी भाइयों,भाभीयों एवं बहनों के साथ पिता राजेंद्र अजारीवाल का पांव गंगा जल से धोकर चरणस्पर्श किया तथा पुष्प वर्षा करते हुए उनका अभिनन्दन किया तथा परिवार के मुखिया का वैदिक एवं पुरातन परंपरानुसार राजतिलक करके एक बेटी ने पिता का सम्मान बढ़ाया। उक्त आयोजन में बेटी अर्पिता को पिता के प्रति प्रेम और भावुकता को लोग देखकर आश्चर्यचकित हुए।निःसंदेह वर्तमान समय में अर्पिता अजारीवाल ने जनमानस को एक संदेश अवश्य दिया कि माता-पिता से बढ़कर संसार में कोई नहीं है उन्हें वृद्धाश्रम में न छोड़ें अपितु उनकी सेवा करें। उक्त अवसर पर कल्याण शहर के उत्कृष्ट समाजसेवी सुनील जगन्नाथ श्रीवास्तव, वरिष्ठ साहित्यकार रामजीलाल वर्मा, विक्रोली से ओमप्रकाश सविता, डोंबिवली से वरिष्ठ समाजसेवी पुखराज राठौड़, कवि एवं पत्रकार विनय शर्मा दीप,कल्याण से समाजसेवी एफ सी शर्मा,समाजसेवी राममोहन सोखिया, युवा समाजसेवी जितेन्द्र कुमार सिंह, राजेश सचदेवा,वैभव विश्वनाथ भोईर साहेब, प्रिया शर्मा,रेनु ठाकुर, विजया जाधव, नगरसेवक सुनील वैले, भगवान म्हात्रे, नगरसेवक वरुण पाटिल,राम गणेश मिश्र, रामजी गुप्ता के साथ अजारीवाल परिवार के सगे संबंधियों की उपस्थिति रही। कवि विनय शर्मा दीप ने तिर्थ यात्रा से संबंधित गीत व बेटी का सम्मान बढ़ाते हुए मुक्तक सुनाया तथा रामजीलाल वर्मा ने भक्ति गीत से सभी को मंत्रमुग्ध किया।अंत में आयोजिका अर्पिता अजारीवाल ने सभी को महाप्रसाद व तिर्थयात्रा संबंधित देवताओं की मुर्ति देकर उपस्थित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

विरार पूर्व में मंजूर विकास कार्यों का विधायक राजन नाईक ने किया निरीक्षण



विरार। विरार पूर्व में राज्य सरकार द्वारा मंजूर ओपन थिएटर एवं मल्टीपर्पज बिल्डिंग परियोजना के प्रस्तावित स्थल का नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विकास कार्यों की योजना और निर्माण की तैयारियों की समीक्षा की। इस परियोजना के पूरा होने से क्षेत्र के नागरिकों को सांस्कृतिक, सामाजिक, शैक्षणिक एवं विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए एक बेहतर मंच उपलब्ध होगा। इससे स्थानीय नागरिकों, युवाओं और सामाजिक संगठनों को विभिन्न गतिविधियों के आयोजन में सुविधा मिलेगी। निरीक्षण के दौरान विधायक राजन नाईक के साथ विपक्ष के नेता मनोज पाटिल, पूर्व जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, नगरसेवक नारायण मांजरेकर, हितेश जाधव, नगरसेविका डॉ. योगिता गवली, युवा मोर्चा जिला सचिव कु. उन्नति राउत तथा महानगरपालिका के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पिल्लई यूनिवर्सिटी ने रचा इतिहास वेस्ट जोन ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी महिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप का खिताब जीता



मुंबई। पिल्लई यूनिवर्सिटी ने महिला वॉलीबॉल में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एआईयू (एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज) वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी महिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2026-27 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ पिल्लई यूनिवर्सिटी इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप का खिताब जीतने वाली सबसे युवा यूनिवर्सिटी बन गई है।

इस प्रतियोगिता में गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश की कुल 117 यूनिवर्सिटीज ने हिस्सा लिया। पहली बार प्रतियोगिता में उतरी पिल्लई यूनिवर्सिटी ने नॉकआउट चरण से अपने अभियान की शुरूआत की। टीम की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शुरूआती सभी छह मुकाबले सीधे सेटों में 3-0 से जीतकर पूल-सी में शीर्ष स्थान हासिल किया और अंतिम चार टीमों की लीग में जगह बनाई। पिल्लई यूनिवर्सिटी महाराष्ट्र की एकमात्र यूनिवर्सिटी रही, जिसने फाइनल लीग चरण में प्रवेश किया। खास बात यह रही कि अंतिम लीग में पहुंचने से पहले टीम ने अपने विरोधियों के खिलाफ एक भी सेट नहीं गंवाया था। फाइनल राउंड रॉबिन लीग के पहले मुकाबले में पिल्लई यूनिवर्सिटी ने पिछले वर्ष चौथे स्थान पर रही राजस्थान के बीकानेर की महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी को सीधे सेटों में 3-0 से हराकर पदक पक्का किया। इसके बाद टीम ने पिछले वर्ष की तीसरे स्थान की विजेता और मजबूत खिलाड़ियों से सजी गुजरात के जूनागढ़ की भक्त कवि नरसिंह मेहता यूनिवर्सिटी को भी 3-0 से पराजित किया। इस टीम में नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की कई खिलाड़ी शामिल थीं। पिछले वर्ष की चैंपियन पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी यूनिवर्सिटी, सीकर (राजस्थान) के साथ मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों से सजी इस टीम के खिलाफ पिल्लई यूनिवर्सिटी को पांच सेट तक चले मुकाबले में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। पूरे टूनार्मेंट में यह पहला और एकमात्र मुकाबला था, जिसमें पिल्लई यूनिवर्सिटी ने सेट गंवाए। अपने अंतिम लीग मुकाबले में पिल्लई यूनिवर्सिटी ने मेजबान स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को 3-0 से हराया। उल्लेखनीय है कि स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी पिछले वर्ष की उपविजेता रही थी।

मजदूर ने फंदा लगाकर दी जान, घटना से परिजनों में मचा कोहराम



कानपुर (उत्तरशक्ति)। महाराजपुर थाना क्षेत्र के सराय तिलशहरी खुर्द गांव में रविवार देर रात मजदूर ने घर में फंदा लगाकर जान दे दी। सोमवार को घटना की जानकारी मिलने पर परिवार में चीख-पुकार मच गई। सराय तिलशहरी खुर्द निवासी रामसेवक (42) मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिवार में पत्नी किरण, बेटे हर्षित और अर्पित व बेटी छवि हैं। रविवार देर रात उन्होंने फंदा लगाकर जान दे दी। परिजन उन्हें इस कदम के पीछे की वजह नहीं बता सके। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रोफेशनल टेनिस-बॉल क्रिकेट लीग की ऐतिहासिक घोषणा



मुंबई। भारत में टेनिस-बॉल क्रिकेट के बढ़ते क्रेज और ग्रासरूट स्तर की अपार प्रतिभा को एक पेशेवर मंच प्रदान करने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। रं३ं रस्त्रङ्ग१३२ क्ल्ल्र्ि ढ५३. छ३ि. ने आधिकारिक तौर पर रं३ूं 50 नामक एक नई प्रोफेशनल टेनिस-बॉल क्रिकेट लीग की घोषणा की है। विजय अरोड़ा द्वारा स्थापित इस महत्वाकांक्षी लीग का मुख्य उद्देश्य उभरते हुए क्रिकेटरों को फ्रेंचाइजी आधारित व्यवस्थित और प्रतिस्पर्धी माहौल में अपनी प्रतिभा साबित करने का अवसर देना है। इस लीग की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें छह पुरुष और छह महिला फ्रेंचाइजी शामिल होंगी। इसका लक्ष्य देश के कोने-कोने से ग्रासरूट स्तर की छिपी प्रतिभाओं को संगठित खेल व्यवस्था से जोड़ना और महिला क्रिकेटरों के लिए एक समर्पित मंच तैयार करना है। लीग के को-फाउंडर्स में उमा अरोड़ा, सतीश माने, जितेश शाह और ललित शाह शामिल हैं। इस लीग में प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट सितारों को भी एक अनूठे 50-बॉल फॉर्मेट में खेलते हुए देखा जा सकेगा।

भारत के पूर्व विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग को लीग कमिश्नर नियुक्त किया गया है। उनके जुड़ने से उन खिलाड़ियों को एक मजबूत आवाज मिलेगी जो पारंपरिक क्रिकेट व्यवस्था से बाहर रह जाते हैं। मिताली राज (महिला लीग एंबेसडर): भारतीय महिला क्रिकेट की आइकन मिताली राज को महिला लीग एंबेसडर बनाया गया है। उनकी भूमिका महिला प्रतियोगिता को मुख्यधारा में लाने और महिला खिलाड़ियों की भागीदारी को बढ़ावा देने में अहम होगी।

शिक्षा के क्षेत्र में मिर्जा अनवर बेग शहीद का योगदान सदैव रहेगा याद



शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र में शिक्षा की अलख जगाने और ग्रामीण अंचल के बच्चों को शिक्षित समाज से जोड़ने में अहम योगदान देने वाले स्वर्गीय मिर्जा अनवर बेग शहीद को सोमवार को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उनके जीवन, संघर्ष और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। साथ ही कुरानख्वानी का आयोजन कर उनकी मगफिरत के लिए विशेष दुआ की गई।कार्यक्रम में मदरसा इदारा-ए-ऊलूम-ए-इस्लामि या, मिर्जा अनवर बेग इंटर कॉलेज तथा अब्दुल अजीज अंसारी पीजी कॉलेज के छात्र-छात्राओं और शिक्षक-कर्मचारियों ने सहभागिता की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय मिर्जा अनवर बेग शहीद ने शिक्षा को समाज की तरक्की का सबसे मजबूत माध्यम माना। उन्होंने क्षेत्र में इंटर कॉलेज, डिग्री कॉलेज और मदरसे की स्थापना की पहल कर ग्रामीण परिवेश के बच्चों के लिए शिक्षा के नए रास्ते खोले। उनका उद्देश्य केवल शिक्षण संस्थानों की स्थापना करना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाना और एक जागरूक एवं शिक्षित समाज का निर्माण करना था। जीवन के अंतिम समय तक वह शिक्षा और सामाजिक उत्थान के लिए प्रयासरत रहे। उनके द्वारा स्थापित शिक्षण संस्थान आज भी उनके शैक्षिक मिशन और दूरदर्शी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं। उनके योगदान को याद करते हुए उपस्थित लोगों ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में उनके द्वारा जलाया गया ज्ञान का दीपक आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरणा देता रहेगा। कार्यक्रम का समापन स्वर्गीय मिर्जा अनवर बेग शहीद की आत्मा की मगफिरत और उनके लिए जन्नत में आला मुकाम की दुआ के साथ हुआ।इस मौके पर प्रबंध समिति के मिर्जा अजफर बेग, कहकशां खान, प्राचार्य एनपी उपाध्याय, प्रधानाचार्य नौशाद खान, प्रियंक श्रीवास्तव समेत बड़ी संख्या में विद्यालय, महाविद्यालय और मदरसे के अध्यापक छात्र व गणमान्य शामिल हुए।

राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर का जगह-जगह स्वागत और सम्मान



-लाल शेखर सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर के आगमन पर क्षेत्र में जगह-जगह भव्य स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। पूर्व जिला संयोजक भाजपा युवा मोर्चा महेंद्र सिंह एवं डॉ. उपेंद्र प्रताप सिंह के आवास पर आयोजित समारोह में भाजपा कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों, ग्राम प्रधानों और उद्यमियों ने बुके भेंटकर सांसद का जोरदार स्वागत किया।

इस दौरान विशिष्ट अतिथि विधायक रमेश चंद्र मिश्रा एवं सुरेंद्र प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम से पहले डॉ. आयुष प्रताप सिंह (सुमित्रा डेवलपर्स, लखनऊ) ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ कोटवा तिराहे पर सांसद विद्यासागर सोनकर का भव्य स्वागत किया। इसके बाद डॉ. उपेंद्र प्रताप सिंह के आवास पर क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उनका अभिनंदन किया। वहीं महेंद्र सिंह ने भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकताओं के साथ स्वागत समारोह आयोजित किया। सांसद का जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा। समारोह को संबोधित करते हुए विधायक रमेश चंद्र मिश्रा ने कहा कि डॉ. उपेंद्र प्रताप सिंह 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व से विचार-विमर्श कर उन्हें संगठन में कोई महत्वपूर्ण दायित्व सौंपने का प्रयास किया जाएगा, जिससे भाजपा को और मजबूती मिलेगी।

उन्होंने कहा कि सांसद विद्यासागर सोनकर के साथ मिलकर संगठन को मजबूत किया जाएगा और आगामी चुनावों में जौनपुर की सभी सीटों पर कमल खिलाने का लक्ष्य रखा जाएगा। नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर ने कार्यकताओं में उत्साह भरते हुए कहा कि भाजपा देश की सबसे बड़ी पार्टी है, जो सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है। कार्यकताओं की मेहनत और जनता के विश्वास के बल पर पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कार्यकताओं से संगठन को मजबूत करने और जनता के बीच सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिलेश चंद्र मिश्रा ने की तथा संचालन अखिलेश सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष भूपेश सिंह, सुभाष सिंह, सरोखनपुर, परमेंद्र सिंह पम्मू, रतन सिंह प्रधान दिलसादपुर, एपी प्रधान भुतहां, चंचल सिंह प्रधान नरी, बबलू सिंह प्रधान शेखपुरा, अरविंद सिंह प्रधान गौरव खुर्द, अमरीश सिंह प्रधान मरगूपुर, सुभाष मिश्रा द्रोणिपुर सहित बड़ी संख्या में ग्राम प्रधान, समाजसेवी, उद्यमी एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चार माह बाद किशोर को मिली जमानत, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जौनपुर की अदालत का आदेश पलटा

मीरगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जौनपुर के एक किशोर को बड़ी राहत देते हुए उसकी जमानत मंजूर कर ली। न्यायालय ने जौनपुर की निचली अदालत द्वारा पारित आदेश को निरस्त करते हुए दाखिल क्रिमिनल रिवीजन स्वीकार कर लिया और किशोर को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। मामला थाना मछलीशहर में दर्ज एफआईआर संख्या 228/2026 से संबंधित है। इसमें भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 69, 351(3), 352, पॉक्सो अधिनियम की धारा 5 एवं 6 तथा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67अ के तहत आरोप दर्ज हैं। संबंधित किशोर पिछले करीब चार माह से वाराणसी स्थित बाल सुधार गृह में निरुद्ध था। 23 नवंबर 2026 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के कोर्ट नंबर 82 में न्यायमूर्ति जय प्रकाश तिवारी ने क्रिमिनल रिवीजन संख्या 6234/2026 पर सुनवाई की। किशोर की ओर से भारत प्रेस क्लब के कानूनी सलाहकार एवं अधिवक्ता मो. सैफ ने प्रभावी पैरवी की।

इस दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अकील अहमद ने भी महत्वपूर्ण सहयोग दिया। सुनवाई के दौरान अधिवक्ता मो. सैफ ने मामले के विभिन्न कानूनी एवं न्यायिक पहलुओं को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को निरस्त करते हुए क्रिमिनल रिवीजन स्वीकार कर लिया और किशोर की जमानत मंजूर कर दी।हाईकोर्ट के इस फैसले से पिछले चार माह से बाल सुधार गृह में निरुद्ध किशोर और उसके परिवार को बड़ी राहत मिली है। अधिवक्ता मो. सैफ की प्रभावी कानूनी पैरवी की क्षेत्र में चर्चा हो रही है।


CMO Reg. RMEE. 2341801
SHIFA HOSPITAL
अहमदी मेमोरियल
शिफा मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
डा0 मोहम्मद अकमल
(फिजिशियन)
पता- मानीकलां, जौनपुर
डॉ0 अबू फैसल
MBBS, Ortho PGDS
हड्डी एवं जोड रोग विशेषज्ञ
समय 2 बजे से शाम 4 बजे तक
(बृहस्पतिवार)
डॉ0 मोहम्मद चाँद बागवान
MBBS, DNB, MD (Lucknow)
लूगर, चेस्ट एंव हृदय रोग विशेष
समय- सुबह 8 बजे 11 बजे तक
(मंगलवार)
डॉ0 यसीरा अली
MBBS, MS (obs & Gynae Surgeon)
स्त्री रोग एवं बांझपन विशेषज्ञ (Inferitility)
समय- सुबह 8 बजे से 11 बजे तक
(मंगलवार)
डॉ. मोहम्मद अंज़र
एम.बी.बी.एस.
जरनल फिजिशियन
डॉ0 सुनील कुमार दुबे
MBBS, MS
(Laproscopic Surgeon) on call)
डॉ0 एम के वर्मा
P.G D.C (Delhi)
(चर्म रोग विशेषज्ञ)
समय- 11 बजे 2 बजे तक (शनिवार)
डॉ0 मोहम्मद अब्दुल्लाह
(दाँत चिकित्सक)
समय - सुबह 9 से 11 बजे तक
(बुद्धवार, रविवार)
डॉ0 सना अब्दुल्लाह
(स्त्री रोग विशेषज्ञ)
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक
(बुद्धवार, रविवार)
डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिस्क, बच्चेदानी, हाइड्रोसील का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।
पता - मानीकलां, जौनपुर
9451610571, 7380850571


BAJAJ
ए. एम. बजाज
प्रो अब्दुल माजिद
मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139
9621032024, 9651316060, 9621139686